राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 268 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरुवार 31 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

श्रीनगर में मारे गए पहलगाम हमले के तीनों आतंकियों की पहचान हुई

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में सोमवार को ऑपरेशन महादेव में मारे गए पहलगाम हमले के तीनों आतंकियों की पहचान हो गई है। मारे गए आतंकियों की पहचान उनको शरण देने वाले आरोपियों ने की है, जो इस समय राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की गिरफ्त में हैं। एनआईए अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों को कोट लखपत जेल ले जाने से पहले मुठभेड़ स्थल पर ले जाया गया और पुष्टि कराई गई थी। आरोपियों ने आतंकियों को अस्थायी शरण दी थी। मृतकों में एक सुलेमान शाह उर्फ हाशिम मूसा है, जो पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड था। उसकी पहचान कल ही हो गई थी। दूसरे आतंकी की पहचान जिबरान के रूप में हुई है, जबकि तीसरा आतंकी हमजा अफगानी है। तीनों में एक का असली नाम हुबैब ताहिर है, जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के खैगाला का निवासी है।

वक्फ बोर्ड ने अवैध कब्जेदार के खिलाफ उठाया कदम, 27 करोड़ रुपये का वसूली नोटिस भेजा

भोपाल। मध्य प्रदेश के वक्फ बोर्ड ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जा करने वाले को 28.18 करोड़ रुपये का वसूली का नोटिस जारी किया है। इदारा यतीम खाना के प्रबंधक शाहिद अली खान को भेजा गया यह नोटिस, वक्फ इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा वसूली नोटिस बताया जा रहा है। खान पर वक्फ नियमों का उल्लंघन करने और झूठा दावा कर वक्फ संपत्ति को अपना बताने और उसे किराये पर देने का आरोप है।मध्य प्रदेश में नवाब शाहजहां बेगम ने 138 साल पहले वक्फ संपत्ति दान की थी। इसका उपयोग भोपाल की संस्था दार उल शफ्कत शाहजहांनी ने निजी तौर पर किया। आरोप है कि आरोपी ने 21 साल से बिना अनुमति इज्तिमा बाजरा लगाया और 200 दुकानों से 24.85 करोड़ रुपये अवैध कमाई की, जिसका कोई लेखा-जोखा नहीं। इसके अलावा 9 साल के लिए जीवनरेखा अस्पताल को 1.80 लाख में किराए पर दे दिया। इससे उन्होंने करोड़ों रुपये का किराया वसूला।

मोक्षित कॉर्पोरेशन के ठिकानों पर जांच

650 करोड़ रूपए के सीजीएमएससी घोटाले से जुड़ा कनेक्शन

रायपुर/ संवाददाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित तौर पर 500 करोड़ रुपये से ज्यादा के चिकित्सा आपूर्ति घोटाले की धन शोधन जांच के तहत बुधवार को छत्तीसगढ़ में कई स्थानों पर छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह कथित घोटाला राज्य में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान का है। सूत्रों ने बताया कि रायपुर, दुर्ग, भिलाई और आसपास के इलाकों में कुछ सरकारी अधिकारियों, चिकित्सकीय सामान के आपूर्तिकताओं और एजेंट के अलावा कुछ बिचौलियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ईडी की जांच अप्रैल में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो/आर्थिक अपराध शाखा (एसीबी/ईओडब्ल्यू) द्वारा छह व्यक्तियों के खिलाफ दाखिल आरोप पत्र से संबंधित है जिसमें 2023 में चिकित्सा उपकरणों और रासायनिक रसायनों की खरीद में कथित अनियमितताओं से राज्य के खजाने को 550 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचने का आरोप लगाया गया है। एसीबी/ईओडब्ल्यू ने 22 जनवरी को रायपुर स्थित राज्य सरकार द्वारा संचालित छत्तीसगढ़ मेडिकल सिविसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससीएल) और स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के अधिकारियों के साथ-साथ चार कंपनियों मोक्षित कॉर्पोरेशन (दुर्ग), सीबी कॉर्पोरेशन (दुर्ग), रिकॉर्ड्स एंड मेडिकेयर सिस्टम एचएसआईआईडीसी पंचकुला, हरियाणा और श्री शारदा इंडस्ट्रीज (रायपुर) के खिलाफ मामला दर्ज किया था। ऐसा

आरोप है कि इस घोटाले में स्वास्थ्य केंद्रों में इन वस्तुओं की आवश्यकता उपलब्धता की जांच किए बिना रासायनिक रसायनों और उपकरणों की खरीद की गयी। एसीबी ईओडब्ल्यू ने कहा था कि सीजीएमएससीएल ने मोक्षित कॉर्पोरेशन और उसकी मुखौटा कंपनी के साथ मिलीभगत करके जनवरी 2022 से 31 अक्टूबर 2023 के बीच अरबों रुपये की खरीदारी की है। एसीबी ईपीडब्ल्यू के 18,000 पृष्ठों के आरोप पत्र में मोक्षित कॉर्पोरेशन के निदेशक शशांक चोपड़ा, बसंत कुमार कौशिक, छिरोद रौतिया, कमलकांत पाटनवार, डॉ अनिल परसाई और दीपक कुमार बंधे का नाम था, जो कथित घोटाले के वक्त सीजीएमएससीएल में तैनात थे। आरोपपत्र दाखिल किए जाने के दौरान एसीबी /ईओडब्ल्यू के एक अधिकारी ने कहा था, कौशिक सीजीएमएससीएल के प्रभारी महाप्रबंधक (उपकरण) और उप प्रबंधक (क्रय एवं संचालन) थे। रौतिया और बांधे बायोमेडिकल इंजीनियर थे। पाटनवार उस समय उप प्रबंधक (उपकरण) और परसाई उस समय उप निदेशक (भंडार) थे। अधिकारी के अनुसार, चोपड़ा को 29 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था, जबकि बाकी को मार्च में हिरासत में लिया गया था।

दो साल के ऑडिट में खुली गड़बड़ी की पोल

लेखा परीक्षा की टीम की ओर से सीजीएमएससी की सप्लाई दवा और उपकरण को लेकर वित्त वर्ष 2022-24 और 2023-24 के दस्तावेज को खंगाला गया तो कंपनी ने बिना बजट आवंटन के 660 करोड़ रुपये की खरीदी की थी, जिसे ऑडिट टीम ने पकड़ लिया था। ऑडिट में पाया गया है कि पिछले दो सालों में आवश्यकता से ज्यादा खरीदे केमिकल और उपकरण को खपाने के चक्कर में नियम कानून को भी दरकिनार किया गया। जहां जरूरत नहीं थी वहां उपकरण भेजे गए।

ट्रंप ने कहा-भारत हमारा दोस्त

लेकिन 1 अगस्त से 25 प्रतिशत टैरिफ लगेगा और जुर्माना-ट्रंप..

नई दिल्ली/ एजेंसी

तीन सालों में अगर भारत रूस के संबंधों पर नजर डालेंगे तो ये और भी मजबूत हुआ है। भारत और रूस के बीच व्यापारिक साझेदारी बड़े स्तर पर बढ़ी है। इसको लेकर पश्चिमी देश की बौखलाहट और भी बढ़ गई है। जिसता नतीजा अब बयानबाजी से इतर एक्शन से भी नजर आने लगा है। आखिरकार अमेरिका की तरफ से रूस से तेल खदीद को लेकर भारत के खिलाफ कदम उठा लिया गया है। अमेरिका ने भारत पर टैरिफ लगाया है। अमेरिका ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट करते हुए

कहा कि याद रखें, भारत हमारा मित्र तो है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हमने उसके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है क्योंकि उसके टैरिफ बहुत ज़्यादा हैं, दुनिया में सबसे ज़्यादा, और किसी भी देश की तुलना में उसके यहाँ सबसे कठोर और अप्रिय गैर-मौद्रिक व्यापार प्रतिबंध हैं। ट्रंप ने अपने पोस्ट में कहा कि इसके अलावा, उन्होंने हमेशा अपने अधिकांश सैन्य उपकरण रूस से ही खरीदे हैं, और चीन के साथ, वे रूस के ऊर्जा के सबसे बड़े खरीदार हैं, ऐसे समय में जब हर कोई चाहता है कि रूस यूक्रेन में हत्याएँ रोके - सब कुछ ठीक नहीं है! इसलिए भारत को पहली अगस्त से 25 प्रतिशत टैरिफऔर उपरोक्त के लिए जुर्माना देना होगा। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन। आपको बता दें कि इससे पहले ट्रंप एयरफ़ोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बिहार एसआईआर में बड़े पैमाने पर बहिष्कार हुआ तो हस्तक्षेप करेंगे

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने की संभावना पर विशेष टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि अगर मसौदा सूची में बड़े पैमाने पर बहिष्कार होगा तो कोर्ट हस्तक्षेप करेगा। पीठ ने बिहार एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 12 अगस्त और 13 अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कोर्ट को बताया कि चुनाव आयोग का कहना है ।

राज्यसभा में बोले जेपी नड्डा

इधर हमले होते रहे और यूपीए सरकार बिरयानी खिलाती रही

नई दिल्ली/ एजेंसी

जेपी नड्डा ने राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान विपक्ष पर निशाना साधा और यूपीए शासन के काले दौर का जिक्र करते हुए पिछली कांग्रेस नीत सरकार के दौरान हुए आतंकी हमलों को याद किया। जेपी नड्डा ने कहा कि पहलगाम हमले के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी विदेश यात्रा बीच में ही रोक दी और सुरक्षा स्थिति तथा अगले नियोजित कदमों का जायजा लेने के लिए रातोंरात भारत लौट आए। यूपीए सरकार पर निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा कि 2005 में दिवाली से ठीक

पहले लश्कर-ए-तैयबा ने दिल्ली में सीरियल बम ब्लास्ट किया। 67 लोग मारे गए, 200 से अधिक घायल हुए। कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। 2006 में वाराणसी के संकटमोचन मंदिर में हरकत-उल-जिहाद ने हमला किया। 28 लोग मारे गए, 100 लोग घायल हुए। कोई कार्रवाई नहीं की गई।। मुद्दा यह है कि तब भारत और पाकिस्तान के बीच आतंकवाद और व्यापार और पर्यटन जारी रहा। उन्होंने आगे कहा कि हमें उनकी (तत्कालीन कांग्रेस सरकार की) तुष्टिकरण की सीमा को समझने की जरूरत है कि 2008 में इंडियन मुजाहिद्दीन द्वारा जयपुर में किए गए बम विस्फोटों के बाद, भारत और पाकिस्तान एक विशिष्ट विश्वास-निर्माण उपायों पर सहमत हुए। वो हमें गोलियों से भूनते रहे और हम उनको बिरयानी खिलाने चले। उन्होंने नियंत्रण रेखा पार करने के लिए ट्रिपल-एंट्री परमिट की अनुमति दी।

सिंदूर तो उजड़ गया

फिर ऑपरेशन का नाम सिंदूर क्यों-जया बच्चन

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर के नाम को लेकर सरकार पर सवाल उठाया और कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में जिन महिलाओं के पति मारे गए थे, उनके माथे से सिंदूर मिटा दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान राज्यसभा में बच्चन ने कहा, मुझे आपको (सत्तारूढ़ पार्टी को) ऐसे लेखकों को नियुक्त करने के लिए बधाई देनी चाहिए जो इतने भव्य नाम देते हैं। लेकिन आपने इसका नाम 'सिंदूर' क्यों रखा? जिन महिलाओं के पति मारे गए थे, उनके माथे से सिंदूर मिटा

दिया गया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि सिंदूर शक्ति और क्षमता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अब पृथ्वीराज चव्हाण अकेले नहीं हैं। ज़रा सोचिए, यह कैसी मानसिकता है।

शशि थरूर के बाद सांसद मनीष तिवारी भी कांग्रेस से नाराज इशारों में दिया संदेश

नईदिल्ली। संसद के मानसून सत्र में विपक्ष सरकार को ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले पर घेरने की कोशिश कर रही है, वहीं कांग्रेस के 2 सांसद इससे अलग-थलग दिख रहे हैं। लोकसभा में हो रही बहस में तिरूवनन्तपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर और आनंदपुर साहिब से सांसद मनीष तिवारी को शामिल न करने पर तिवारी ने इशारों-इशारों में आपत्ति जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक खबर का स्क्रीनशॉट लिखकर फिल्म के गीत की पंक्ति लिखी है। तिवारी ने एक्स पर जिस खबर का स्क्रीनशॉट साझा किया है।

इसी सड़क की खबर दिखाने पर हुई थी पत्रकार मुकेश की हत्या

बीजापुर से पीडब्ल्यूडी के पांच अफसर गिरफ्तार निर्माण में भ्रष्टाचार पर पुलिस का बड़ा एक्शन...

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में जिस सड़क निर्माण में गड़बड़ी की खबर दिखाए जाने पर पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या कर दी गई थी। उसी गड़बड़ी पर बुधवार को पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। गंगालूर-मिरतुल सड़क निर्माण की गड़बड़ी में शामिल लोक निर्माण विभाग के 5 बड़े अफ्सरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पत्रकार की हत्या के बाद जांच के लिए प्रशासन ने एसआईटी का गठन किया था और आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। एएसपी चंद्रकांत गवर्ना ने बताया कि लोक निर्माण विभाग के 5

अफ्सरों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए अफ्सरों में 2 रिटायर्ड ईई, एसडीओ और सब इंजीनियर शामिल हैं। गिरफ्तार अफ्सरों को 2 दिन के रिमांड में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या गंगालूर-मिरतुल सड़क में भ्रष्टाचार की खबर को दिखाए जाने के बाद हुई थी। मुकेश ने ठेकेदार के भ्रष्टाचार को उजागर किया था। हत्याकांड के बाद डिप्टी सीएम और लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के निर्देश पर दो अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। जिन पर अपराध दर्ज किया गया था, उसमें बीजापुर लोक निर्माण विभाग के तत्कालीन कार्यपालन अभियंता बीएल ध्रुव, अनुविभागीय अधिकारी आरके सिन्हा, उप अभियंता जीएस कोडोपी समेत कई अन्य अधिकारियों के नाम शामिल हैं। बता दें कि पत्रकार मुकेश चंद्राकर का शव 3 जनवरी को ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के बाड़े के सैप्टिक टैंक से बरामद किया गया था। इस मामले में सुरेश चंद्राकर, रितेश चंद्राकर, दिनेश चंद्राकर और महेंद्र रामटेके की गिरफ्तारी हो चुकी है। शुरुआती जांच में पुलिस ने पाया था कि दो लोगों ने मिलकर पत्रकार मुकेश की बेरहमी हत्या की थी।

छत्तीसगढ़ कैबिनेट की बैठक संपन्न

नवा रायपुर में बनेगी क्रिकेट एकेडमी, भारतमाला प्रोजेक्ट में गड़बड़ी रोकने बदले गये नियम-साय

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक मंत्रालय में हुई। सभी मंत्रियों की मौजूदगी में सरकार ने कई महत्वपूर्ण फैसले लिए। नवा रायपुर के परसदा में क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए एकेडमी बनाया जाएगा। इसकी स्थापना के लिए 7.96 एकड़ भूमि आबंटित किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। कैबिनेट बैठक में और क्या निर्णय हुए जानिए मंत्रिपरिषद द्वारा भारत सरकार के खान मंत्रालय के नवीन दिशा-निर्देश और प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना - 2024 के संशोधित गाईडलाईन्स के अनुसार छत्तीसगढ़ जिला खनिज संस्थान न्यास नियम, 2015 में आवश्यक संशोधन किये जाने का निर्णय लिया गया है। इससे न्यास के पास उपलब्ध राशि का न्यूनतम 70 प्रतिशत राशि का व्यय उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्र जैसे पेयजल आपूर्ति, पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल कल्याण, वृद्ध एवं नि:शक्तजन के कल्याण के साथ ही कौशल विकास एवं रोजगार, स्वच्छता, आवास, पशुपालन के समग्र विकास पर किया जाएगा। मंत्रिपरिषद द्वारा साधारण रेत के उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण तथा रेत के उत्खनन एवं नियमन में

पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम 2019 एवं छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत उत्खनन एवं व्यवसाय (अनुसूचित क्षेत्र हेतु) नियम 2023 को निरसित करते हुए नवीन नियम ''छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम-2025'' का अनुमोदन किया गया। इससे रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे, जिससे आम जनता को उचित दरों पर रेत उपलब्ध हो सकेगी। साथ ही रेत उत्खनन में पर्यावरण और सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। प्रस्तावित नियमों में रेत खदान आवंटन की कार्यवाही इलेक्ट्रॉनिक नीलामी के माध्यम से की जाएगी। इससे राजस्व में भी वृद्धि होगी। कृषि भूमि के बाजार मूल्य दरों के निर्धारण के संबंध में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य कर पंजीयन विभाग से प्राप्त प्रस्ताव का मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदन किया गया।

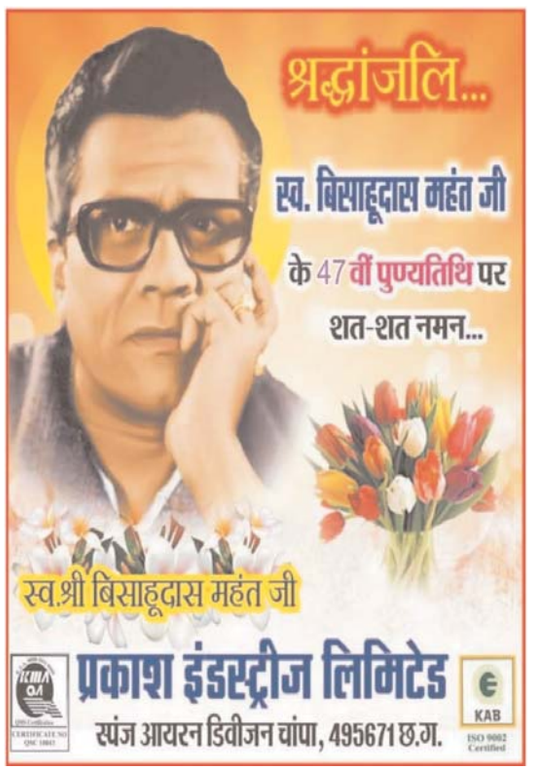

संक्षिप्त समाचार

जर्जर सड़क को लेकर युवा कांग्रेस आंदोलन के लिए होंगे बाध्य

15 दिन में काम नहीं तो होगा कलेक्टोरेट घेराव,सौंपा ज्ञापन

मुंगेली(समय दर्शन)मुंगेली शहर के प्रमुख पड़ाव चौक से लोरमी बायपास मार्ग की खस्ताहाल स्थिति को लेकर युवा कांग्रेस ने जिला प्रशासन को कठघरे में खड़ा करते हुए आज जिला मुख्यालय में जोरदार प्रदर्शन के साथ जनहित में ज्ञापन सौंपा। इस दौरान युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश छेदईया के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।ज्ञापन में कहा गया है कि यह मार्ग शहरवासियों, स्कूली बच्चों, व्यापारी वर्ग एवं आसपास के ग्रामीण अंचलों के यात्रियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। बावजूद इसके पिछले कई वर्षों से यह सड़क बदहाल स्थिति में है, जहां बड़े-बड़े गड्ढे दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे हैं। दो भारी वाहन एक साथ नहीं निकल सकते, जिससे रोजाना यातायात बाधित हो रहा है।युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने बताया कि इस सड़क के चौड़ीकरण और पुनर्निर्माण को लेकर शासन द्वारा 15 से 20 बार नाप-जोख एवं सर्वे कराए गए, अनेक बैठकें भी हुईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो सकी। उन्होंने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये मरम्मत के नाम पर खर्च हो चुके हैं, परंतु समाधान अस्थायी ही साबित हुए हैं।इस दौरान जनदर्शन में जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मीकांत भास्कर ने टेढ़ाधौरा से केस्तरा मार्ग एवं करही से खेड़ा (अधिकारी/कर्मचारी निवास) मार्ग की भी दुर्दशा का मुद्दा उठाया और इनके शीघ्र निर्माण की मांग की।युवा कांग्रेस की प्रमुख मांगे पड़ाव चौक से लोरमी बायपास मार्ग का चौड़ीकरण एवं पूर्ण पुनर्निर्माण अविलंब शुरू किया जाए।कार्य प्रारंभ की स्पष्ट समय-सीमा तय कर सार्वजनिक की जाए। प्रशासनिक या तकनीकी अड़चनों की स्थिति में पारदर्शिता अपनाते हुए जनमानस को जानकारी दी जाए।युवा कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि आगामी 15 दिनों के भीतर कार्य प्रारंभ नहीं किया गया, तो चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत की जाएगी एवं जिला कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने वालों में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश छेदईया, जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मीकांत भास्कर, अभिलाष सिंह, अलीम मिर्जा, हरीश साहू, नानू ठाकुर, योगेश्वर सिंह, सागर सोनी, पोखराज बंजारे, आयुष ठाकुर, अनीता विश्वकर्मा, अजय यादव, मंतराम यादव, मनीष साहू, नैनदास, सोनू मनहर, वीरेंद्र यादव, अजय गर्ग, देव साहू सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नवोदय प्रवेश परीक्षा, पंजीयन की तिथि 13 अगस्त तक बढ़ाई गई

डोंगरगढ़। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के ऑनलाइन पंजीयन की अंतिम तिथि अब 29 जुलाई के बजाय 13 अगस्त 2025 कर दी गई है। तीन जिलों राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी एवं खैरागढ़-छुईखदान-गंडई का एकमात्र नवोदय विद्यालय होने के कारण इस विद्यालय में इन तीनों जिलों के विद्यार्थियों को परीक्षा देने का अवसर मिलता है। परीक्षा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा ओएमआर शीट के माध्यम से आयोजित की जाएगी। विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने तीनों जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों से अपील की है कि सरकारी के साथ.साथ निजी विद्यालयों के कक्षा पांचवीं में अध्ययनरत सभी बच्चों का पंजीयन सुनिश्चित कराया जाए, ताकि अधिकतम बच्चे इस प्रतियोगी परीक्षा में भाग ले सकें। उन्होंने कहा कि इस परीक्षा से बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है और शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ती है। प्राचार्य मंडल ने जिले के विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारियों और संकुल समन्वयकों से भी आग्रह किया है कि जो छात्र अब तक पंजीयन से वंचित हैं, उनका पंजीयन 13 अगस्त तक अवश्य करा लिया जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय प्रतियोगिता का युग है और ऐसे अवसर छात्रों में नई दृष्टि एवं आत्मविश्वास का विकास करते हैं। अत: जिले के सभी कक्षा पांचवी के छात्र-छात्राओं को इस अवसर का लाभ दिलाने की दिशा में गंभीर प्रयास किए जाएं।

अवैध शराब बिक्री के खिलाफ लोगों ने किया शिकायत

बागबाहरा(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के कोमाखान थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खुर्सीपार में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ की गई शिकायत अब विवाद का रूप ले चुकी है। गांव के उपसरपंच दुर्गेश साहू द्वारा अवैध शराब बिक्री की शिकायत पुलिस से करना इतना महंगा साबित हुआ कि उन्हें ग्रामीण सभा द्वारा 75,000 रुपये का आर्थिक दंड लगाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाल ही में जनपद सदस्य पारस सांखला, राहुल चंद्राकर सहित कई पंचायत प्रतिनिधियों ने कोमाखान थाना में ओडिशा ब्रांड की अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ ज्ञापन सौंपा था।

इस शिकायत के बाद खुर्सीपार गांव में एक पंचायत बैठक आयोजित की गई, जिसमें कथित तौर पर कांग्रेस भारत जोड़ो पदयात्री रामेश्वर चक्रधारी, पूर्व सरपंच प्रहलाद बरिहा, अगनू निषाद, दिलीप चक्रधारी, धनीराम उर्फ कुशल साहू और दशरथ साहू ने मिलकर फैसला सुनाया कि उपसरपंच दुर्गेश साहू ने गांव के आर्थिक हित को नुकसान पहुँचाया है।

फैसले के अनुसार शराब कोचिया को 25,000 रुपये का नुकसान होने पर उसे मुआवजा दिया जाएगा।

और गांव के खिलाफशिकायत करने पर उपसरपंच को 50,000 रुपये का दंड भरना होगा।

इस फैसले से आक्रोशित उपसरपंच दुर्गेश साहू ने कहा, मैं पंचायत का निर्वाचित प्रतिनिधि हूं। अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करना मेरा कर्तव्य है। यह दंड पंचायत व्यवस्था और लोकतंत्र का अपमान है।

उन्होंने यह मामला छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री के संज्ञान में लाते हुए बागबाहरा स्थहक्क को भी लिखित शिकायत की है और प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग की है।

यह मामला यह दर्शाता है कि आज भी कई ग्रामीण इलाकों में अवैध धंधों के खिलाफ बोलने वालों को प्रताड़ित किया जाता है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चिंताजनक संकेत है। अवैध कारोबार पर मुखर होकर शासन प्रशासन का साथ देते हुए न्याय के लिए लोग आज दर दर भटक रहे हैं,और संवैधानिक दृष्टिकोण से कानून के खिलाफ तुगलकी फरमान सुनाने वाले राजसी ठाठ में है।

अब देखना है कि,शासन प्रशासन इस मामले मे क्या कदम उठाती है ।

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान: दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खरीदी हेतु बैठक आयोजित

कलेक्टर ने अधिसूचित फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी करने दिए निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन) शासन द्वारा ''प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान'' अंतर्गत दलहन-तिलहन फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीदी हेतु प्राइस सपोर्ट स्कीम लागू की गई है, इसके तहत खरीफ फसलों जैसे अरहर, मूंग, उड़द मूंगफली, सोयाबीन एवं रबी फसलों जैसे चना, मसूर, सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जाएगी। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने समितियों में अधिसूचित फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खाद दुकानों में की नियमित मॉनिटरिंग करें, किसानों को खाद के लिए किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने उक्त योजना के संबंध में किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में संबंधित फसलों की खरीद हेतु किसानों से उत्पादन एवं प्रस्तावित समर्थन मूल्य पर पंजीयन कर प्रस्ताव तैयार करने के संबंध में चर्चा की गई।

कृषि विभाग के उपसंचालक एम.आर. तिग्गा ने बताया कि इस योजना के तहत अरहर का समर्थन मूल्य 08 हजार रूपए, सोयाबीन 05 हजार 328 रूपए, मूंग 08 हजार 768 रूपए, उड़द 07 हजार 800 रूपए, मूंगफली 07 हजार 263 रूपए, चना 05 हजार 650 रूपए, मसूर 06 हजार 700 रूपए और सरसों का 05 हजार 950 रूपए समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। वर्ष 2025 के लिए 05 हजार से 15 हजार क्विंटल खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। किसानों को इस योजना का लाभ उठाने हेतु किसान पंजीकरण पोर्टल में पंजीकरण कराना अनिवार्य है। बैठक में जिला विपणन अधिकारी संदीप शर्मा, सहायक खाद्य अधिकारी, छत्तीसगढ़ स्टेट वेयरहाउस के सहायक प्रबंधक सुधाकर सिंह, नाफेड के सहायक प्रबंधक पी.के. द्विवेदी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जनता की मुद्दों का सामना करने से घबरा रही है भाजपा सरकार, ज.पं.पाटन की सामान्य सभा जुलाई माह में नहीं हुई

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाटन में इस माह महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा होना था लेकिन सामान्य सभा की बैठक नहीं की गई।जिसमें जनपद सदस्यों में भारी रोष व्याप्त है

।मिली जानकारी के अनुसार जनपद सदस्यों ने बताया कि जुलाई माह की बैठक आयोजित नहीं की गई है।सदस्यों को जनता के विभिन्न जनसमस्याओं एवं मुद्दों को सदन में प्रस्तुत करना होता है लेकिन अधिकारियों एवं जनपद अध्यक्ष द्वारा बैठक नहीं लेना अनुचित है।वर्तमान समय विभिन्न स्कूलों में शिक्षक,पुस्तक,ड्रेस की कमी,किसानों के लिए खाद की व्यवस्था सहित पुराने कार्यों का भी मूल्यांकन एवं विकास कार्य पर चर्चा होनी थी लेकिन अधिकारियों की मनमानी के कारण इस माह बैठक आयोजित नहीं की गई इस बात को लेकर जनपद सदस्यों ने कहा कि सरकार के योजनाओं को अधिकारी भी निचले स्तर तक पहुंचाने का काम नहीं कर रही है पिछले माह बैठक में विकास कार्यों का भी जिक्र हुआ था लेकिन अभी भी एक भी पंचायत में 15 वित्त के राशि का वितरण नहीं किया गया है सभी जनपद सदस्यों से करीब दो माह पूर्व निर्माण कार्य का प्रस्ताव मांग चुके है लेकिन अधिकारियों एवं अध्यक्ष,उपाध्यक्ष ने अभी तक राशि जारी नहीं कर पाए है जिससे कांग्रेस के जनपद सदस्यों में भारी रोष व्याप्त है।

विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने जपं.,जिपं.की बैठक में सदस्य अपने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं,विकास कार्यों के क्रियान्वयन के लिए सदन में आवाज बुलंद करते हैं।लेकिन वर्तमान सरकार आवाज दबाने के लिए कृत संकल्पित दिखाई दे रही है।मीडिया जैसी चौथे आधार स्तंभ को दूर रखती है।एक पेड़ मां के नाम लगाने वाले पूरे जंगल को अडानी के नाम कर रहे हैं।पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं कांग्रेस पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ईडी सीबीआई के माध्यम से डराने की कोशिश लगातार जारी है।आज आम जनता,जनप्रतिनिधि,सरपंच सहित बीजेपी के कार्यकर्ता दबी जुबान से साय सरकार को कोसती नजर आ रही है।

जप पाटन के विधायक प्रतिनिधि जवाहर वर्मा ने गौमाता की सेवा करने का नाटक करने वाली भाजपा दूध के बजाय शराब की गंगा बहाने में लग गई है।सरकार कौन चला रहा है,भाजपा कार्यकर्ता भी अपने काम,विकास कार्य के लिए भटकते नजर आ रहे हैं।किसानों की दुख पीड़ा की कोई चिंता इसके मन में नहीं है।उन्होंने आगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिदायत देते हुए बताया कि भूपेश बघेल हमारे विधायक है उनके मन में सभी के लिए फिक्र है गरीब मजदूर, किसान, महिलाओं, युवाओं की तकलीफ हमे बर्दाश्त नहीं। इस दौरान दिनेश साहू,रश्मि वर्मा, उर्वशी वर्मा,अजय साहू,दीपमाला जैन,शैलेश साहू,आनंद बघेल कांग्रेसी जनपद सदस्यो ने नराजगी ब्यक्त किया।

सेवा सहकारी समिति दाढ़ी में खाद वितरण और केसीसी ऋण में उल्लेखनीय प्रगति

बेमेतरा/- जिले की सेवा सहकारी समिति दाढ़ी ने खरीफ वर्ष 2025 में खाद वितरण और किसान क्रेडिट कार्ड के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। समिति द्वारा किए गए प्रयासों के सकारात्मक परिणाम स्वरूप किसानों को समय पर आवश्यक खाद उपलब्ध हुआ और ऋण वितरण की प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी बन पाई।

यूरिया वितरण में 111त्न की बढ़ोतरी- खरीफ वर्ष 2024 में जहां यूरिया का वितरण 426.78 मीट्रिक टन था, वहीं वर्ष 2025 में यूरिया का भंडारण बढ़कर 475.20 मीट्रिक टन हो गया है। इसका वितरण प्रगतिशील रूप से किया जा रहा है, जो कि गत वर्ष की तुलना में 111 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है।

डीएपी वितरण में 81त्न स्तर पर प्रगति- गत वर्ष डाई-अमोनियम फॉस्फेट का वितरण 169.60 मीट्रिक टन हुआ था। इस वर्ष भंडारण 138.50 मीट्रिक टन हुआ है और वितरण जारी है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 81 प्रतिशत स्तर तक पहुंच चुका है।

एमओपी वितरण में 110त्न का प्रदर्शन- म्यूरेट ऑफ पोटाश का वितरण गत वर्ष 74.45 मीट्रिक टन हुआ था, जो इस वर्ष 82.15 मीट्रिक टन तक पहुँच चुका है, अर्थात 110 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

एसएसपी और 20.20.0.13. में भी सकारात्मक रुझान- सिंगल सुपर फास्फेट का वितरण पिछले वर्ष 166.10 मीट्रिक टन था, जो इस वर्ष बढ़कर 173.75 मीट्रिक टन हो गया है, अर्थात 104 प्रतिशत का प्रदर्शन। इसी प्रकार, 20.20.0.13. ग्रेड का वितरण गत वर्ष 117.45 मीट्रिक टन था, जो इस वर्ष 132 मीट्रिक टन तक पहुँच चुका है, यानि 112 प्रतिशत।

केसीसी धारक किसानों को मिला व्यापक लाभ- गत वर्ष समिति द्वारा 1,800 केसीसी धारक किसानों को ऋण वितरण किया गया था। इस वर्ष समिति ने 49 नए केसीसी जारी किए हैं। किसानों के एग्री स्टैक पंजीयन हेतु शिविरों का आयोजन किया गया, जिससे अधिक से अधिक किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिला।

खाद वितरण में 95त्न केसीसी धारकों को मिला लाभ- खाद वितरण का 95 प्रतिशत भाग किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि समिति ने पारदर्शिता और सुविधा दोनों का समन्वय करते हुए कार्य किया है। केसीसी धारक किसानों का सतत रूप से अनुवीक्षण कर उन्हें जरूरतमंद संसाधनों से जोड़ा जा रहा है। यह केवल समिति की योजनाबद्ध कार्यप्रणाली को दर्शाती संवेदनशील, सक्षम और सक्रिय प्रशासनिक सहयोग से कृषि क्षेत्र में बड़े परिवर्तन लाए जा सकते हैं। सेवा सहकारी समिति दाढ़ी की यह उपलब्धि जिले के अन्य क्षेत्रों के लिए भी एक प्रेरणा बन सकती है।

मंडी प्रांगण बिल्हा में होगा विरांगना रानी अवंती बाई लोधी प्रतिभा सम्मान समारोह एवं स्वेक्षिक रक्त दान शिविर का आयोजन

पाटन। विरांगना रानी अवंती बाई लोधी प्रतिभा सम्मान समारोह एवं स्वेक्षिक रक्त दान शिविर का आयोजन लोधी समाज के समस्त जिला इकाई और युवा प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ द्वारा कराया जा रहा है। यह कार्यक्रम 31 जुलाई को 12 बजे से मंडी प्रांगण बिल्हा में आयोजित है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए लोधी समाज के युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश सिंगौर ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि घनश्याम वर्मा (प्रदेश अध्यक्ष लोधी समाज छ.ग.होंगें अति विशिष्ट अतिथि श्रीमती यशोदा वर्मा (विधायक खैरागढ़), कोमल जंघेल (पूर्व विधायक , गिरवर जंघेल (पूर्व विधायक खैरागढ़), भरत वर्मा (प्रदेश महामंत्री भाजपा छ.ग.), श्रीमती जागेश्वरी वर्मा (पूर्व जिला पंचायत सदस्य मुंगेली), कृष्ण कुमार सिंगोर (प्रदेश महामंत्री लोधी समाज), विष्णु लोधी (प्रदेश लोधी समाज कोषाध्यक्ष), जीवन कौशिक (प्रदेश लोधी समाज संगठन मंत्री), विमल पटेल (प्रदेश लोधी समाज अंकेषण) श्रीमती दशमत जंघेल प्रदेश अ. महिला लोधी समाज छ.ग होंगे । अध्यक्षता अधिवक्ता यमुना प्रसाद वर्मा जिलाध्यक्ष लोधी समाज बिलासपुर करेंगें विशिष्ट अतिथि जगदीश वर्मा जिलाध्यक्ष लोधी समाज मुंगेली, महेश वर्मा पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा भिलाई , तेजशंकर जंघेल जिलाध्यक्ष लोधी समाज रायपुर, उत्तम जंघेल जिलाध्यक्ष लोधी समाज राजनांदगांव, बनऊ वर्मा जिलाध्यक्ष लोधी समाज दुर्ग, गोवेन्द पटेल जिलाध्यक्ष लोधी समाज बेमेतरा, संतोष कौशिक जिलाध्यक्ष लोधी समाज कबीरधाम, रामनाथ वर्मा पदेश उपाध्यक्ष लोधी समाज छ.ग होंगे। विशेष आकर्षण के रूप में सांस्कृतिक कार्यक्रम।रामाधर लहरी (लोकसुधा) के कलाकार प्रस्तुति देंगे। सुरेश सिंगौर (युवा प्रदेश अध्यक्ष छ.ग. लोधी समाज), एवं युवा अध्यक्ष बिलासपुर मुंगेली, वेमेतरा, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव कबीरधाम, खैरागढ़ ने समस्त सामाजिक जनों से कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील की है।

सीएमओ अंकुर पांडे ने पत्रकार से की अभद्रता, जनता की समस्याओं से मुंह मोड़ा!

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन
नंदिनी अहिवारा। नगर पालिका अहिवारा में गुरुवार को एक ऐसा मामला सामने आया जिसने प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वार्ड नंबर 1 और 2 में पिछले चार दिनों से पानी की आपूर्ति ठप है, और जब इस ज्वलंत समस्या को लेकर पत्रकार गोवर्धन ताम्रकार नगर पालिका कार्यालय पहुंचे, तो सीएमओ अंकुर पांडे ने उनके साथ न केवल अभद्र व्यवहार किया बल्कि सवालों से भी बचते नजर आए।

सूत्रों के अनुसार, पत्रकार दोपहर 12:00 बजे कार्यालय पहुंचे और गेट पर तैनात कर्मचारी रामू से सीएमओ से मिलने की बात कही। सूचना देने के बावजूद आधे घंटे तक उन्हें इंतजार कराया गया और बताया गया कि सीएमओ 'मीटिंग' में व्यस्त हैं।

आधे घंटे बाद जब सीएमओ अंकुर पांडे बाहर निकले, पत्रकार ने पानी की समस्या पर सवाल पूछा, तो उन्होंने पत्रकार से कहा ङ्क फतमीज से बात करो, संबंधित अधिकारी से पूछो।

इसके बाद वे अपनी गाड़ी में बैठकर शीशा चढ़ा कर चले गए।

वहीं, इस दौरान प्लेसमेंट कर्मचारी संदीप शर्मा मौके पर आकर पत्रकार को रोकने लगे ङ्क जिससे प्रतीत हुआ कि वे सुरक्षा गार्ड की भूमिका निभा रहे थे। यह व्यवहार न केवल पत्रकार की गरिमा के खिलाफ था, बल्कि जनता की आवाज दबाने का एक असफल प्रयास भी था।

यह पहली बार नहीं है जब सीएमओ अंकुर पांडे पर इस तरह के आरोप लगे हों। पूर्व में भी उनके अहंकारपूर्ण रवैये और जनता प्रतिनिधियों से विवाद की खबरें सामने आ चुकी हैं। उनके स्थानांतरण के लिए कई बार शिकायतें और ज्ञापन भी दिए गए हैं, लेकिन कार्रवाई ठंडे बस्ते में डाल दी जाती है।

जब मीडिया कर्मी भी असुरक्षित महसूस करने लगें और जनता के सवालों का जवाब न मिले, तो ऐसे में नगर की समस्याओं का हल कैसे निकलेगा?

यह घटना बताती है कि अहिवारा नगर पालिका में लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है। जनता की समस्याओं का समाधान करने की बजाय उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। यह चिंतनीय ही नहीं, निंदनीय भी है।

सवाल यह है —

क्या ऐसे अधिकारी अहिवारा की जनता के योग्य हैं?

क्या मीडिया की आवाज को कुचलना अब प्रशासन की नीति बन चुकी है?

इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने प्रशासन से अपील की है कि ऐसे अधिकारियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए, जो अपने कर्तव्यों से भटक चुके हैं।

सर्वे में शामिल देशभर के 4,566 शहरों के बीच राष्ट्रीय स्तर पर टॉप-100 में छत्तीसगढ़ के 25 शहर

शहरी स्वच्छता में छत्तीसगढ़ की लंबी छलांग, स्वच्छता सर्वे में शामिल 169 में से 115 शहरों ने सुधारी अपनी रैंकिंग

रायपुर। भारत सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर दमदार उपस्थिति दर्ज कराई है। राज्य के नगरीय निकायों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है कि इस बार सर्वेक्षण में शामिल 169 शहरों में से 115 शहरों ने अपनी रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार किया है। स्वच्छता के इस राष्ट्रीय मूल्यांकन में देशभर के 4,566 शहरों के बीच छत्तीसगढ़ के 25 शहर टॉप-100 में शामिल हुए हैं, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में बड़ी छलांग है, जब केवल 16 शहर टॉप-100 में आ पाए थे।

राज्य के 62 नगरीय निकायों ने गारबेज-फ्री सिटी स्टार रेटिंग में अपना दर्जा बढ़ाया है, जबकि सिंगल, थ्री और फाइव स्टार प्राप्त करने वाले शहरों की संख्या 71 से बढ़कर अब 114 हो गई है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर ने इस बार फाइव स्टार से बढ़कर सेवन स्टार की सर्वोच्च रेटिंग प्राप्त की है। रायपुर को गारबेज-फ्री सिटी श्रेणी में यह सम्मान प्राप्त

हुआ है, साथ ही स्वच्छता में उसे वाटर प्लस शहर का दर्जा भी मिला है।

इस बार बिलासपुर, कोरबा और भिलाई नगर—ये तीन नगर निगम ओडीएफप्लस प्लस से बढ़कर वाटर प्लस श्रेणी में पहुंच गए हैं। राज्य के 163 नगरीय निकायों को ओडीएफ प्लस प्लस का दर्जा प्राप्त हुआ है, जिनमें किरंदुल और भाटापारा नगर पालिका तथा कुंरा नगर पंचायत जैसे निकाय भी शामिल हैं, जो पहले केवल ओडीएफश्रेणी में थे। सीतापुर नगर पंचायत ने भी ओडीएफप्लस से आगे बढ़कर ओडीएफ प्लस प्लस दर्जा हासिल किया है। पिछले डेढ़ वर्षों में 62 नगरीय निकायों ने अपने सतत प्रयासों के माध्यम से गारबेज-फ्री सिटी स्टार रेटिंग में सुधार किया है। बिलासपुर और अंबिकापुर ने अपने थ्री स्टार स्तर को बढ़ाकर फाइव स्टार किया है, जबकि भिलाई नगर, जगदलपुर नगर निगम, जामुल नगर पालिका और घरघोड़ा नगर पंचायत ने 2023-24 के सिंगल स्टार दर्जे से आगे बढ़ते हुए अब थ्री स्टार प्राप्त किया है। वहीं, धमतरी, शिबरीनारायण और राजपुर जैसे शहर, जो पूर्ववर्ती सर्वे में स्टार रेटिंग में नहीं थे, उन्होंने सीधे थ्री स्टार श्रेणी में प्रवेश किया है। स्वच्छता और सौंदर्यीकरण के क्षेत्र में विशेष प्रयासों के चलते राज्य के 52 नगरीय निकायों ने नो स्टार से उन्नत होकर अब सिंगल स्टार दर्जा प्राप्त कर लिया है। इस बार कई नगरीय निकायों की राष्ट्रीय रैंकिंग में बड़ा सुधार देखने को मिला है। वर्ष 2023-24 में राष्ट्रीय स्तर पर 649वें स्थान पर रहे सिमगा ने इस बार 95वीं रैंक हासिल की है। इसी तरह जशपुर 637वें से 91वें, राजपुर 630वें से 63वें और घरघोड़ा 616वें से 71वें स्थान पर आ गया है। भिलाई-चरोदा ने अपनी रैंकिंग 587 से सुधारकर 68, दोरनापाल ने 557 से 81, दंतेवाड़ा ने 552 से 70, जगदलपुर ने 461 से 55, मुंगेली ने 447 से 86, कवर्धा ने 430 से 77, कुनकुरी ने 426 से 84, दुर्ग ने 314 से 80, राजनांदगांव ने 268 से 46, भिलाई नगर ने 267 से 22, छुरा ने 230 से 76, प्रतापपुर ने 173 से 62, बलरामपुर ने 65 से 53 और रायपुर ने 12वीं रैंक से बढ़कर चौथा स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य के शहरों की इस उपलब्धि को स्थानीय निकायों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि शहरी सरकार, राज्य सरकार और केंद्र सरकार मिलकर नवाचारों के साथ शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के शहरों की रैंकिंग में और भी सुधार होगा और इस बार की राष्ट्रीय सफलता सभी नगरीय निकायों को और अधिक प्रेरित करेगी। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नगरीय निकायों की सराहना करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में नगरीय विकास और स्वच्छता हेतु राज्य सरकार द्वारा 7,400 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई थी, जिसका यह सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी हेतु विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार युवाओं के लिए रोजगार, शिक्षा, खेल आदि क्षेत्र में सकारात्मक कार्य कर रही है। खेल क्षेत्र में खिलाड़ियों के लिए आवासीय प्रशिक्षण के साथ पर्याप्त संसाधन उपलब्ध करा रही है। इसी तारतम्य में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने मंगलवार को बलौदाबाजार जिला मुख्यालय स्थित निर्माणाधीन 8 लेन सिंथेटिक एथलीट ट्रैक एवं इंडोर कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। इस दौरान लोक निर्माण विभाग और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ उन्होंने कार्य की प्रगति का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मंत्री श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो तथा इसकी गुणवत्ता सर्वोच्च स्तर की सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रैक एवं इंडोर कॉम्प्लेक्स की ड्रॉइंग और डिज़ाइन का बोर्ड प्रमुख सड़क मार्ग पर शीघ्रता से लगाया जाए, जिससे आमजन को यह जानकारी मिल सके कि बलौदाबाजार में अंतर्राष्ट्रीय मानकों का खेल परिसर तैयार किया जा रहा है। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि इस अत्याधुनिक खेल संरचना के निर्माण से जिले के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी हेतु विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी, इससे क्षेत्र में खेल संस्कृति को नया आयाम मिलेगा और युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन प्राप्त होगा। उल्लेखनीय है कि बलौदाबाजार जिला मुख्यालय में 9.50 करोड़ रुपये की लागत से सिंथेटिक एथलीट ट्रैक तथा 15 करोड़ रुपये की लागत से मल्टीपरपज इंडोर हॉल का निर्माण कार्य प्रगति पर है। निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधि सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मजदूरी से आत्मनिर्भरता तक: रतन चंदेल की प्रेरक यात्रा

रायपुर। बकावंड ब्लॉक के ग्राम जैतगिरी निवासी 44 वर्षीय रतन चंदेल कभी मजदूरी कर अपने परिवार की गाड़ी जैसे-तैसे खीचता था। सीमित आमदनी के कारण जीवन कठिनाइयों से भरा हुआ था। हालांकि उनके जीवन में नया मोड़ तब आया जब वे जिला हाथकरघा कार्यालय जगदलपुर से संबद्ध दंतेश्वरी बुनकर सहकारी समिति मर्यादित जगदलपुर से जुड़ा। संस्था से जुड़ने के बाद रतन चंदेल ने बुनकर प्रशिक्षण प्राप्त किया और धीरे-धीरे इस क्षेत्र में कुशलता हासिल की। वर्तमान में वे प्रतिदिन औसतन 17 मीटर कपड़े की बुनाई करता है और सालभर में लगभग 6120 मीटर कपड़े का उत्पादन कर लेता है। यह उनके लिए एक स्थायी और सम्मानजनक आय का स्रोत बन गया है। रतन चंदेल बताते हैं कि वर्ष 2024-25 में उन्होंने लगभग 2 लाख रुपये की आमदनी अर्जित की है। अब उनका परिवार खुशहाल जीवन जी रहा है और उन्हें भविष्य के लिए भी आर्थिक स्थिरता का भरोसा प्राप्त हो गया है। वे अपनी इस सफलता का श्रेय दंतेश्वरी बुनकर सहकारी समिति और जिला हाथकरघा कार्यालय को देते हैं। रतन चंदेल अन्य बुनकरों और युवाओं को भी ईमानदारी व मेहनत से काम करने की प्रेरणा देते हैं। उनका मानना है कि यदि लगन हो तो आत्मनिर्भरता की राह पर कोई भी आगे बढ़ सकता है। उनकी यह कहानी उन सभी के लिए प्रेरणास्रोत है जो जीवन में सकारात्मक बदलाव की चाह रखते हैं।

अबूझमाड़ के बच्चों ने क्रैक की कृषि प्रवेश परीक्षा, ज्ञानगुड़ी कोचिंग सेंटर ने फिर रचा इतिहास

रायपुर। एक समय नक्सलवाद से प्रभावित रहे बस्तर ने अब शिक्षा के क्षेत्र में अपनी नई पहचान बना ली है। बस्तर जिला प्रशासन द्वारा संचालित ज्ञानगुड़ी नि: शुल्क कोचिंग सेंटर ने एक बार फिर साबित किया है कि यदि सही अवसर और मार्गदर्शन मिले, तो सबसे पिछड़े क्षेत्र का बच्चा भी ऊँचाइयों तक पहुँच सकता है। इस वर्ष ज्ञानगुड़ी से कोचिंग लेकर अबूझमाड़ जैसे अत्यंत दुर्गम इलाके के छात्रों ने भी इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय और राज्य के विभिन्न कृषि महाविद्यालयों में प्रवेश प्राप्त कर इतिहास रच दिया है। इन छात्रों की यह सफलता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे ऐसे क्षेत्रों से आते हैं जहाँ बुनियादी शिक्षा सुविधाओं का भी अभाव है। विवेकानंद आश्रम नारायणपुर के संतों और शिक्षकों की पहल पर नारायणपुर जिले के इन बच्चों को बस्तर लाकर ज्ञानगुड़ी में पीएटी की कोचिंग दिलाई गई, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए।

ज्ञानगुड़ी: अवसर की पाठशाला- ज्ञानगुड़ी का उद्देश्य ग्रामीण, गरीब और जरूरतमंद छात्रों को राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। यहाँ सरकारी शिक्षक नीट, जेईई, पीएटी, वेटनरी, फार्मेसी, नर्सिंग जैसी परीक्षाओं के लिए पूरे वर्ष नि: शुल्क तैयारी कराते हैं।

पीएटी में शानदार सफलता- इस वर्ष ज्ञानगुड़ी के 25 छात्रों ने पीएटी परीक्षा में सफलता हासिल की और शासकीय कृषि महाविद्यालयों में प्रवेश पाया। छात्र भुवनेश्वर ने राज्य स्तर पर 11वीं रैंक प्राप्त कर संस्था का नाम रोशन किया। इससे पहले पीवीपीटी में 5वीं और नर्सिंग में 4वीं रैंक जैसे कीर्तिमान भी ज्ञानगुड़ी के विद्यार्थियों के नाम रहे हैं।

नीट परीक्षा में भी कमाल- ज्ञानगुड़ी के 67 छात्रों ने नीट 2025 की परीक्षा पास की है, जो इस सेंटर की गुणवत्ता और मेहनत का प्रत्यक्ष प्रमाण है। आज यह केंद्र न केवल बस्तर बल्कि पूरे संभाग और राज्य भर के विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुका है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा उद्घाटित इस कोचिंग सेंटर को नई ऊँचाइयों

आकांक्षी विकासखंड शंकरगढ़ ने रचा कीर्तिमान: कृषि मंत्री श्री नेताम

रायपुर।

कृषि और आदिम जाति कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम आज बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ विकासखंड में आयोजित जिला स्तरीय सम्पूर्णता सम्मान कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री श्री रामविचार नेताम ने जिला स्तरीय संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि शंकरगढ़ विकासखण्ड सम्पूर्णता अभियान में शत-प्रतिशत सफलता हासिल की है। आंकाक्षी विकासखंड को इस कीर्तिमान के लिए बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि नीति आयोग द्वारा चयनित शंकरगढ़ विकासखण्ड में सभी विभागों के सहयोग से चिन्हांकित इंडिकेटर में शत-प्रतिशत उल्लेखनीय कार्य किया गया, जिसका बेहतर परिणाम देखने को मिल रहा है। मंत्री श्री नेताम ने इस मौके पर संपूर्णता अभियान अंतर्गत विभिन्न इंडिकेटर मे विशिष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं फ्रंटलाईन वर्कर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना अनुरूप देश के 100 जिलों के 500 विकासखण्डों का चयन किया गया था। जहां अब तक अपेक्षित विकास नहीं हो पाया था। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के अंतर्गत आने वाला शंकरगढ़ भी इन्हीं आकांक्षी विकासखण्डों में शामिल है। यहां शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, सड़क कनेक्टीविटी, संस्थागत प्रसव, पोषण, शिशु मृत्यु दर जैसे मानकों को प्राथमिकता में रखकर योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि शंकरगढ़ क्षेत्र पहाड़ी कोरवा, पंडो जैसे विशेष पिछड़ी जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र हैं। जहां जागरूकता की आवश्यकता रहीं है, ऐसे क्षेत्रों में शासन-प्रशासन के प्रयासों एवं योजनाओं का क्रियान्वयन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार के द्वारा पीएम जनमन योजना अंतर्गत शिक्षा स्वास्थ्य सहित सड़कों, आवासों का निर्माण हो रहा है। जैविक खेती के लिए भी किसानों को जागरूक किया जा रहा है। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्राकृतिक संशाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए प्राकृतिक खेती को अपनाना चाहिए। इस अवसर पर श्री नेताम ने स्व-सहायता समूह की दीदीयों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय उत्पाद आत्मनिरर्भता की दिशा में बडा कदम है, हमें स्थानीय उत्पाद का उपयोग करते हुए अन्य लोगों को भी प्रेरित करना चाहिए।

क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होगा: मंत्री श्री टंकाराम वर्मा

रायपुर। उपार्जन केंद्रों में शेडयुक्त चबूतरा निर्माण कार्यों का भूमिपूजन, लगभग 2 करोड़ रुपये के नवीन विकास कार्यों को मिली स्वीकृति उपार्जन केंद्रों में शेडयुक्त चबूतरा निर्माण कार्यों का भूमिपूजन, लगभग 2 करोड़ रुपये के नवीन विकास कार्यों को मिली स्वीकृति छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकाराम वर्मा ने मंगलवार को बलौदाबाजार जिले के प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के अंतर्गत आने वाले छह धान उपार्जन केंद्रों में शेडयुक्त कंक्रीट चबूतरा निर्माण कार्य का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। यह निर्माण कार्य ग्राम देवरी, सलोनी, करमदा, रसेड़ा, भरसेला एवं लटुआ के उपार्जन केंद्रों में किया जाएगा, जिसकी प्रति केंद्र लागत 21.80 लाख रुपये के है।

श्री वर्मा ने इस अवसर पर क्षेत्र के विकास हेतु लगभग 2 करोड़ रुपये के नवीन कार्यों की स्वीकृति भी प्रदान की। इसके अंतर्गत ग्राम सोनपुरी, बोईरडीह, बेमेतरा, धंवई, भाठागांव, सलोनी, देवरी एवं शुक्लाभांठा में प्रत्येक स्थान पर चेक डेम निर्माण हेतु 20-20 लाख रुपये

तथा ग्राम बुड़गहन में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 20 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में चहुँमुखी विकास कार्य निरंतर जारी है। राज्य सरकार आमजन के कल्याण एवं सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी स्वीकृत कार्यों को शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा और विकास की गति में कोई बाधा नहीं आने दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों द्वारा पारंपरिक लोकनृत्य और संगीत के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षा जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अशोक जैन, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुलोचना यादव, जिला अध्यक्ष श्री आनंद यादव सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सेवा सहकारी समिति कुसुमकसा में यूरिया तथा एस.एस.पी. उर्वरक का किसानों द्वारा किया जा रहा है लगातार उठाव

रायपुर। सेवा सहकारी समिति कुसुमकसा जिला बालोद में यूरिया तथा एस.एस.पी. उर्वरक का किसानों द्वारा लगातार उठाव किया जा रहा है। उप संचालक कृषि ने बताया कि विगत दिनों कुसुमकसा के किसानों ने सहकारी समिति में यूरिया का पर्याप्त भण्डारण नहीं होने की शिकायत जिला विपणन अधिकारी से की थी। जहां जिला विपणन अधिकारी द्वारा किसानों से चर्चा कर उन्हें समिति में पर्याप्त यूरिया, एसएसपी उर्वरक के भण्डारण का आश्वासन दिया गया था। आज 29 जुलाई की स्थिति में सेवा सहकारी समिति, कुसुमकसा में पर्याप्त मात्रा में यूरिया 126 मी.टन, एस.एस. पी. 40.55 मी.टन तथा एम.ओ.पी. 25.85 मी.टन उर्वरक उपलब्ध है। कृषकों द्वारा इन उर्वरकों का लगातार उठाव किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला बालोद में खरीफ वर्ष 2025 हेतु उर्वरकों का सहकारी क्षेत्र में 57821 मी.टन का लक्ष्य है,

जिसके विरूद्ध 38761 मी.टन. का भण्डारण तथा 35504 मी.टन का उठाव किया जा चुका है। इसी तरह निजी क्षेत्र में 19486 मी.टन का लक्ष्य था, जिसके विरूद्ध 15735 मी.टन का भण्डारण किया जा चुका है एवं 14596 मी.टन का उठाव किया जा चुका है। वर्तमान स्थिति में सहकारी क्षेत्र में 3257 मी.टन तथा निजी में 1138 मी. टन उर्वरक उपलब्ध है। जिले में इस तरह लगातार उर्वरक भण्डारण एवं वितरण का कार्य जारी है।

सरकार की योजनाओं की जमीनी सफलता का सजीव प्रमाण भी है

मनरेगा से मिला नौनिहालों को सशक्त भविष्य का आधार आंगनबाड़ी की बदली तस्वीर

रायपुर। धमतरी जिले के कुरुद विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत अटंग में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत निर्मित नवीन आंगनबाड़ी भवन आज गांव के लिए परिवर्तन और उम्मीद की पहचान बन चुका है। कभी जर्जर और असुविधाजनक भवन में सीमित संसाधनों के बीच पल-बढ़ रहे नौनिहालों के लिए अब एक सुरक्षित, सुंदर और सुविधायुक्त वातावरण सुलभ हो गया है। यह बदलाव न केवल स्थानीय विकास की मिसाल है, बल्कि यह सरकार की योजनाओं की जमीनी सफलता का सजीव प्रमाण भी है। इन आंगनबाड़ी भवन के सहायिकाओं के माध्यम से किशोरी बालिकाओं को स्वच्छता, पोषण आहार की जानकारी दी जाती है और शिशुवती एवं गर्भवती महिलाओं को पोषक आहार एवं पूरक पोषक आहार प्रदाय किए जाते हैं।

करीब ढाई दशक पूर्व बना पुराना आंगनबाड़ी भवन अत्यधिक जर्जर हो

चुका था। भवन की दीवारें क्षतिग्रस्त थीं, छत से टपकते पानी और सीमित स्थान के कारण बच्चों को बैठने, खेलने और पढ़ने में कठिनाई होती थी। बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में हमेशा चिंता बनी रहती थी। बरसात, गर्मी और कीचड़ से बचाव के उपाय नहीं थे, जिससे उपस्थिति पर भी विपरीत असर पड़ रहा था। ग्रामवासियों और जनप्रतिनिधियों की सतत मांग पर पंचायत ने प्रस्ताव बनाकर वित्तीय वर्ष 2024-25 में मनरेगा योजना के अंतर्गत भवन निर्माण की स्वीकृति प्राप्त की। कुल 11 लाख 69 हजार रुपये की लागत से तय समय सीमा के भीतर स्थानीय श्रमिकों के श्रम से यह भवन तैयार किया गया। निर्माण कार्य के दौरान 800 मानव दिवस का रोजगार सृजित हुआ, जिससे कई परिवारों को आर्थिक सहायता भी मिली।

नव निर्मित आंगनबाड़ी भवन बच्चों की आवश्यकताओं के अनुरूप डिजाइन किया गया है। भवन में हवादार कमरे, मजबूत छत, टाइल्स युक्त फर्श, शौचालय, स्वच्छ पेयजल व्यवस्था, सुरक्षित दरवाजे-खिड़कियां, साफ-सुथरा आंगन और बच्चों के बैठने-पढ़ने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध है। रंग-बिरंगी दीवारों, शिक्षाप्रद चित्रों और बाल मित्र माहौल ने भवन को बच्चों के लिए आकर्षक बना दिया है।

आज अटंग की आंगनबाड़ी में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पूर्व-प्राथमिक शिक्षा, सुपोषित आहार, नियमित टीकाकरण और स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा मिल रही है। खेल-खेल में शिक्षा पद्धति ने बच्चों की रुचि और भागीदारी दोनों में वृद्धि की है। माता-पिता अब निश्चिंत होकर अपने बच्चों को आंगनबाड़ी भेज रहे हैं, जिससे उपस्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

नवीन आंगनबाड़ी भवन ने ग्राम अटंग में सामाजिक और शैक्षणिक चेतना को मजबूती दी है। महिलाएं अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के प्रति आश्वस्त हैं। गांव में शासन की योजनाओं के प्रति विश्वास बढ़ा है और विकास को लेकर सकारात्मक सोच बनी है। ग्राम अटंग का यह नवीन आंगनबाड़ी भवन सिर्फ एक संरचना नहीं, बल्कि नौनिहालों के सपनों और भविष्य की बुनियाद है। यह कहानी इस बात की गवाही देती है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना जैसी योजनाएं अगर स्थानीय आवश्यकताओं से जुड़कर और समर्पण के साथ लागू हों, तो वे न सिर्फ रोजगार का माध्यम बनती हैं, बल्कि शिक्षा, पोषण और सामाजिक सशक्तिकरण की नई इबारत भी लिखती हैं।

संपादकीय

रिश्ता तोड़ने आमादा दंपति

सुप्रीम कोर्ट ने ताजा फैसले में कहा है कि पति-पत्नी का एक-दूसरे पर नजर रखना इसका सबूत है कि उनकी शादी मजबूत नहीं चल रही है। इसलिए इसका इस्तेमाल न्यायिक कार्यवाही में किया जा सकता है। पीठ ने पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया। जिसमें कहा है, दंपति के दरम्यान गुप्त बातचीत साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 के तहत संरक्षित है, इसका प्रयोग न्यायिक कार्रवाई में नहीं किया जा सकता। पीठ ने निचली अदालत के आदेश को बहाल रखते हुए कहा, वैवाहिक कार्यवाही के दौरान रिकॉर्ड की गई बातचीत को संज्ञान लिया जा सकता है। यह मामला बठिंडा की कुटुंब अदालत के फैसले पर आधारित है, जिसमें पति को फोन कॉल वाली सीडी का सहारा लेने की अनुमति दी गई थी। पत्नी ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। उसका तर्क था कि यह रिकॉर्डिंग उसकी सहमति या जानकारी के बगैर थी, जो निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। अदालत द्वारा इसे कानूनी रूप से अनुचित भी ठहराया गया। मगर सबसे बड़ी अदालत ने माना कि जब विवाह ऐसे स्तर पा पहुंच गया है, जहां दंपति एक-दूसरे की सक्रियता पर नजर रख रहे हों। यह अपने-आपमें रिश्ता तोड़ने का लक्षण है। हालांकि पीठ ने स्वीकारा कि इस तरह के साक्ष्यों को अनुमति देने से घरेलू सौहार्द व वैवाहिक संबंध खतरे में पड़ सकता है। देश में तलाक बेहद जटिल प्रक्रिया है। न्यायिक झंझटों, आरोपों-प्रत्यारोंपो, साक्ष्यों सरीखी दिक्कतों के चलते कई दफा दंपति आपसी सहमति से अलग तो जाते हैं मगर तलाक नहीं लेते। हालांकि सच तो यह भी है कि अभी भी अपने समाज में न्यूनतम संबंध विच्छेद होते हैं। जो धीरे-धीरे बढ़ते जा रहे हैं। अंतिम प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देश में केवल चौदह लाख लोग तलाकशुदा है। यहां बुरी से बुरी शादी भी सामाजिक/पारिवारिक दबाव में चलाई जाती रहती है। बेहद नाजुक संबंध होने के बावजूद विवाह परिवार का मुख्य केंद्र है। मगर वैवाहिक जीवन में दरारें, मन-मुटाव, संदेह, छल या विवाहेतर संबंधों की अनदेखी कई बार मुश्किल हो जाती है। तलाक के निमयों को काफी आसान बनाए जाने के बावजूद अड़चने कम नहीं की जा सकीं हैं। रिश्ता तोड़ने को आमादा दंपति को बेशक एक मौका देना चाहिए। मगर यदि वे साथ रहने को ही राजी नहीं तो किसी भी अदालत, समाज या परिवार को उन्हें जबरन एक-दूसरे पर थोपने को बाध्य नहीं करना चाहिए।

भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी

प्रह्लाद सबनानी

भारत में पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए कई वर्षो से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, परंतु इस क्षेत्र में वृद्धि दर कम ही रही है क्योंकि भारत में पर्यटन का दायरा केवल ताजमहल, कश्मीर एवं गोवा आदि स्थलों तक ही सीमित रहा है, परंतु हाल ही के वर्षों में धार्मिक क्षेत्रों यथा, अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, उज्जैन, हरिद्वार, उत्तराखंड में चार धाम (केदारधाम, बद्रीधाम, गंगोत्री एवं यमुनोत्री), माता वैष्णोदेवी एवं दक्षिण भारत स्थित विभिन्न मंदिरों सहित, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं सिक्ख धर्म के कई पूजा स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर इन्हें आपस में जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किए गए हैं। इससे भारत में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है। विभिन्न देशों से भी अब पर्यटक इन नये विकसित किए गए धार्मिक स्थलों पर भारी मात्रा में पहुंच रहे हैं। योग एवं आयुर्वेद भी हाल ही के समय में विदेशों में काफी लोकप्रिय हो गया है अतः इसकी खोज के लिए विदेशों से कई पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन करने के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इससे विदेशी पर्यटन भी देश में तेजी से वृद्धि दर्ज कर रहा है। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में 'स्व' का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। 'जेफरीज' के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटीकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है। एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराता है। इस संख्या के हिसाब से तो लाखों नये रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा पर्यटन की गति को तेज करने के उद्देश्य से किए जा रहे उक्तवर्णित उपायों के चलते अब भारतीय पर्यटन उद्योग तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय पर्यटन उद्योग ने वर्ष 2024 में 2,247 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आकार ले लिया है। वर्ष 2033 तक इसके 3,812 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचने की सम्भावना है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2034 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान बढ़कर 43.25 लाख करोड़ रुपये का हो जाने वाला है। भारत के हवाईअड्डों पर भारी भीड़ अब आम बात हो गई है एवं हेरिटेज स्थलों पर विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ दिखाई देने लगी है।

शतरंज के वैश्विक बोर्ड पर भारत का दिव्य अधिकार

मृत्युंजय दीक्षित

वैश्विक शतरंज में वर्ष 2025 एक ऐसी दिव्य उपलब्धि लेकर आया है जिसे तब तक स्मरण किया जाएगा जब तक वैश्विक मंच पर शतरंज खेला जाएगा और शतरंज के प्रेमी रहेंगे। भारत की 88वीं ग्रेंड मास्टर बनीं 19 वर्षीय दिव्या देशमुख ने जार्जिया के बाटुमी में हुए फिडे महिला शतरंज विश्व कप प्रतियोगिता में अपने ही देश की कोनेरू हंपी को पराजित करते हुए इतिहास रच दिया। इसके साथ ही दिव्या शतरंज के खेल की नई सनसनी बन गई हैं। अभी तक दिव्या को 15वी वरीयता प्राप्त थी किंतु दृढ़ता और ओपनिग की तैयारियों ने दिव्या को चैपिंयन बना दिया है। नागपुर की रहने वाली 19 वर्षीया दिव्या देशमुख भविष्य में कई युवाओं को उसी प्रकार से खेल के प्रति उत्साहित करने में सक्षम हो गई हैं जैसे कि भाला फेंक प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा कर रहे हैं। दिव्या के पिता डा. जितेंद्र और माता नम्रता देशमुख दोनों ही चिकित्सक हैं। दिव्या ने सबसे पहले 2012 में अंडर-सात में राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। दिव्या ने 214 में दक्षिण अफ्रीका के डरबन में अंडर 10 और 2017 में ब्राजील में अंडर -12 वर्ल्ड यूथ खिताब जीते। वह 2021 में विदर्भ क्षेत्र की पहली महिला ग्रेंड मास्टर बनीं। उन्होंने 2023 में इंटरनेशनल मास्टर की प्रतियोगिता जीती। फिर उन्होंने ग्रैड मास्टर आर. बी. रमेश के मार्गदर्शन में चेन्नई के शतरंज गुरुकुल में अपनि प्रतिभा का परिचय दिया।

दिव्या शतरंज ओलम्पियाड में तीन बार की स्वर्ण पदक विजेता हैं। दिव्या ने एशियन चैम्पियनशिप और वर्ल्ड जूनियर चैम्पियनशिप में भी स्वर्णपदक जीता। दिव्या ने वर्ष 2024 में बुडापेस्ट में 45वें शतंरज ओलम्पियाड में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया और वर्ल्ड टीम रैपिड और बिल्ट्ज शतरंज प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन किया। दिव्या की बड़ी बहन बैइमिंटन खेलने के लिए जाती थीं और उनके साथ दिव्या भी जाती थी किंतु उन्हें शतरंज में रुचि थी और वे उसी में रम गईं आज वह शतरंज की सर्वोत्कृष्ट खिलाड़ी हैं।

वर्ष 2025 में दिव्या ने चीन की 22 वर्षीय ग्रैंडमास्टर झू जिनर को हराकर शानदार जीत हासिल की, वहीं दूसरी भारतीय महिला खिलाडी कोनेरू हंपी ने भी चीनी खिलाड़ी को ही हराकर फिडे शतरंज विश्वकप में चीन का दबदबा ध्वस्त कर दिया है। यह भारत के लिए बड़ी अभूतपूर्व दोहरी सफलता रही है कि फिडे विश्व कप के फाइनल में दोनों ही खिलाड़ी भारतीय रहे ।

अब विश्व शतरंज में भारत की धमक बढ़ रही है और भारत के खिलाड़ी देश का ध्वज शतरंज के बोर्ड पर लहरा रहे हैं। इससे पूर्व पुरुष शतरांज में 18 वर्षीय डी. गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को हराकर कीर्तिमान रचा था। उनकी यह उपलब्धि सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि ही नहीं थी अपितु भारतीय शतरांज की एक बड़ी छलांग थी। विगत वर्ष सितंबर माह में ही भारत ने बुडापेस्ट में हुए 45वें शतरंज ओलम्पियाड में भी शानदार प्रदर्शन किया थ जिसमें महिला और पुरुष दोनों ही टीमों ने स्वर्ण पदक जीतकर देश को गर्व से भर दिया था। भारत के कई अन्य ग्रैंड मास्टर भी वैश्विक जगत में अपनी चमक बिखेर रहे हैं। जिसमें आर. प्रगनानंद, विदित गुजराती, अर्जुन ऐरिगिसी, आर वैशाली और डी. हरिका जैसे युवा खिलाड़ी प्रमुख हैं।

आज पूरा भारत शतरंज की दुनिया में अपनी बेटियो की सफलता पर गर्व का अनुभव कर रहा है। भविष्य में यही युवा खिलाड़ी अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्वर बनने जा रहे हैं। अब शतरंज के आकाश पर भारत का राज स्थपित हो रहा है। यह पल भारत के लिए बेहद गर्व के पल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह और जयशंकर के संसद में दिये गये भाषणों का पूरा निचोड़ ये रहा

नीरज कुमार दुबे

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा ने यह स्पष्ट कर दिया कि मोदी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी रणनीति और नीतियों में एक निर्णायक और आक्रामक दृष्टिकोण अपनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने भाषणों में यह संदेश दिया कि भारत न केवल हमलों का त्वरित जवाब देने में सक्षम है, बल्कि हर बार नये मानक भी स्थापित करता है। सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण की बात करें तो आपको बता दें कि उनका संबोधन इस बात का प्रमाण था कि अब आतंकवादियों के आकाओं को पता है कि भारत चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल के पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारत ने मात्र 22 मिनट में निर्धारित लक्ष्यों पर सटीक सैन्य प्रहार किया था। मोदी ने अपने संबोधन के माध्यम से तीन मुख्य संदेश दिए- 1. भारत अपनी शर्तों पर जवाब देगा: 卐अब कोई परमाणु ब्लैकमेलिंग नहीं चलेगी卐 2. इस ऑपरेशन में 'मेड इन इंडिया' ड्रोन और मिसाइलों का सफल प्रयोग भारत की रक्षा स्वायत्तता का प्रतीक था। 3. उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के 193 देशों में से केवल तीन देशों ने पाकिस्तान के पक्ष में बयान दिया, जबकि बाकी देशों ने भारत का समर्थन किया। मोदी ने विपक्ष पर यह आरोप भी लगाया कि उसके नेता पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं और जवानों के पराक्रम को राजनीतिक चश्मे से देख रहे हैं। यह विपक्ष की नैतिक अस्थिरता को उजागर करता है।

वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संबोधन पर गौर करें तो आपको बता दें कि उन्होंने स्पष्ट किया कि पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड सुलेमान, अफगान और जिब्रान जैसे-श्रेणी के आतंकियों को 'ऑपरेशन महादेव' में मारा गया। उन्होंने बताया कि यह अभियान भारतीय सेना, सीआरपीएफऔर जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त प्रयास का नतीजा था। अमित शाह ने कहा कि आतंकियों के खिलाफ सबूत इतने मजबूत थे कि उनके पाकिस्तानी मतदाता पहचान पत्र तक बरामद हुए। उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह कैसी राजनीति है कि आतंकियों के मारे जाने पर भी उनके चेहरे फीके पड़ गए। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में ऑपरेशन सिंदूर को तीनों सेनाओं के समन्वय का बेमिसाल उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन का मकसद किसी क्षेत्र पर कब्जा करना नहीं, बल्कि पाकिस्तान द्वारा पाले गए आतंकवाद की नर्सरी को खत्म करना था। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उसने दोबारा आतंकवादी गतिविधियां कीं तो ऑपरेशन सिंदूर को पुनः शुरू करने में देर नहीं लगेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 10 मई की सुबह भारतीय वायुसेना के करारे हमलों के बाद ही पाकिस्तान ने संघर्ष विराम की पेशकश की थी। उधर, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने विपक्ष के इस आरोप को खारिज कर दिया कि अमेरिका या अन्य देशों के दबाव में भारत ने ऑपरेशन रोका। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच इस अवधि में कोई सीधा संवाद नहीं हुआ था। इसके अलावा, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री के संबोधनों से जो मुख्य बिंदु उभर कर आये उसके मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र के 193 देशों में से केवल तीन ने पाकिस्तान का समर्थन किया। सिंधु जल संधि को स्थगित करना और अटारी सीमा बंद करना आतंकवाद पर भारत की सख्त नीति का संकेत था। साथ ही क्वाड, ब्रिक्स और यूएनएससी में भारत ने स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते।

देखा जाये तो मोदी सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत 22 मिनट में जवाबी कार्रवाई कर यह दिखा दिया कि अब लंबी चर्चाओं का समय खत्म हो चुका है। 'मेड इन इंडिया' हथियारों के प्रयोग ने पाकिस्तान की मिसाइल और ड्रोन तकनीक की पोल खोल दी। साथ ही विदेश मंत्री जयशंकर के नेतृत्व में भारत ने विश्व स्तर पर यह विमर्श बनाया कि पाकिस्तान का आतंकवाद पूरी मानवता के लिए खतरा है। इसके अलावा, आतंकवादियों और उनके समर्थक देशों को अब यह समझना होगा कि भारत न केवल हमले का जवाब देगा बल्कि हमलावरों को समाप्त कर देगा। देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत अब प्रतिरक्षात्मक नहीं, बल्कि प्रहारक रणनीति अपनाने वाला राष्ट्र है। आतंकियों को यह संदेश मिला कि उनके आकाओं को भी सुरक्षित ठिकाने नहीं मिलेंगे। मोदी सरकार ने न केवल पाकिस्तान की सैन्य और आतंकवादी क्षमता को करारा झटका दिया है बल्कि वैश्विक मंच पर यह स्थापित कर दिया है कि भारत किसी भी बाहरी दबाव में नहीं झुकेगा। यह नया भारत आत्मनिर्भर है, निर्णायक है और अपनी जनता के हितों की रक्षा करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

ललित गर्ग

पर्यावरण की उपेक्षा एवं बढ़ता वायु प्रदूषण मनुष्य स्वास्थ्य के लिये न केवल घातक हो रहा है, बल्कि एक बीमार समाज के निर्माण का कारण भी बन रहा है। हाल ही में हुए एक मेटा-अध्ययन ने वायु प्रदूषण और बिगड़ती स्मृति के बीच एक खतरनाक संबंध का खुलासा किया है। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुख्य रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है। ये निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहाँ वायु प्रदूषण का स्तर दुनिया में सबसे अधिक है। अगर धनी और विकसित देश भी प्रदूषण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं, तो भारत लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। वायु प्रदूषण से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी।

शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों के मस्तिष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है। वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर पड़ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद ये छोटे-छोटे कण हमारी सांस के जरिए खून में चले जाते हैं और फिर सीधे दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इससे-याद रखने की क्षमता कमजोर होती है। ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। सीखने और नई बातें याद रखने में दिक्कत होती है। कुछ मामलों में डिप्रेशन यानी अवसाद की संभावना बढ़ जाती है।

द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण पदार्थ) में प्रति घन मीटर 10 माइक्रोग्राम की वृद्धि से स्मृति संबंधी बीमारियों का खतरा 17 प्रतिशत बढ़ जाता है। वाहनों के धुएँ और जलती हुई लकड़ी से निकलने वाले ब्लैक कार्बन में एक माइक्रोग्राम की भी वृद्धि से यह खतरा 13 प्रतिशत बढ़ जाता है। ये सूक्ष्म कण हमारे श्वसन और परिसंचरण तंत्र को दरकिनार कर मस्तिष्क तक पहुँच सकते हैं और सूजन व ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा कर सकते हैं, जिससे अंततः न्यूरॉन्स को नुकसान पहुँचता है। इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। प्रदूषित हवा न केवल फेफड़ों और हृदय के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि याददाश्त, एकाग्रता, सीखने और भावनात्मक स्थिरता को भी कमज़ोर करती है। अध्ययनों से पता चला है कि उच्च प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे स्वच्छ वातावरण में रहने वालों की तुलना में स्कूल की परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करते हैं। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने वाले वयस्क अक्सर चिड़चिड़ापन, थकान और यहाँ तक कि अवसाद का अनुभव करते हैं। उनकी उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

प्रदूषण से प्रेरित स्मृति हानि का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है, यह शैक्षिक परिणामों, कार्यस्थल की दक्षता और सामाजिक निर्णय लेने को भी प्रभावित करता है। आँकड़े दर्शाते हैं कि उच्च-पीएम क्षेत्रों में लोग मौखिक प्रवाह, तर्क, सीखने और स्मृति परीक्षणों में कम अंक प्राप्त करते हैं, जो शिक्षा का एक पूरा वर्ष गँवाने के समान है। एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि कैसे किराने की खरीदारी जैसे नियमित कार्यों में संज्ञानात्मक विकर्षण प्रदूषण के संपर्क में आने से बढ़ जाता है। वृद्ध और कम शिक्षित व्यक्ति विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं, अक्सर रोज़मर्रा के कार्य करने की क्षमता खो देते हैं और दूसरों पर अधिक निर्भर हो जाते हैं।

बढ़ते खतरे के बावजूद, चिकित्सा विज्ञान वर्तमान में मनोभ्रंश का कोई निश्चित इलाज नहीं देता है। मौजूदा उपचार सीमित और अक्सर अप्रभावी होते हैं, जिससे मरीज धीरे-धीरे अपनी याददाश्त और स्वतंत्रता खो देते हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के डॉ. क्रिस्टियन ब्रेडल इस बात पर ज़ोर देते हैं कि मनोभ्रंश की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवा की ज़िम्मेदारी नहीं है। शहरी नियोजन, परिवहन नीतियां और पर्यावरणीय नियम, सभी इस संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि सामूहिक सोच, जीवनशैली विकल्पों और पर्यावरणीय निर्णयों को भी विकृत करता है। बड़े पैमाने पर, यह शैक्षिक उपलब्धि में कमी, उत्पादकता में कमी, स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते बोझ और गहरी होती आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है। वाशिंगटन में 12 लाख लोगों पर किए गए एक अलग अध्ययन से पता चला है कि जंगल की आग के धुएँ के संपर्क में आने से, जो पीएम 2.5 के स्तर को बढ़ाता है, मनोभ्रंश का खतरा 18-21 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक और व्यापक समीक्षा (51 अध्ययनों में 2.9 करोड़ लोगों पर) ने पुष्टि की कि पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मनोभ्रंश का खतरा 13-17 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। विज्ञान स्पष्ट है कि ये सूक्ष्म कण श्वसन तंत्र और मस्तिष्क में गहराई तक प्रवेश करते हैं, मस्तिष्क के कार्य को बाधित करते हैं और मानसिक गिरावट को तेज़ करते हैं।

हाल ही में चीन में हुए एक शोध में भी पीएम और नाइट्रोजन ऑक्साइड के संपर्क को मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों में संज्ञानात्मक क्षमता में कमी, विशेष रूप से कार्यशील स्मृति में कमी से जोड़ा गया है। यह एक बढ़ता हुआ संकट है जिसके प्रभाव न केवल व्यक्तियों पर बल्कि पूरे समाज पर पड़ रहे हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि वायु प्रदूषण अब केवल खांसी या सांस की बीमारी तक सीमित नहीं है, यह चुपचाप हमारी स्मृति, संज्ञानात्मक कार्यों और मानसिक स्वास्थ्य पर हमला कर रहा है। लोग मानसिक थकान, अवसाद या चिड़चिड़ापन महसूस कर सकते हैं। सामूहिक स्तर पर, शिक्षा और उत्पादकता में गिरावट, स्वास्थ्य पर बढ़ता बोझ और आर्थिक असमानता बढ़ती है। अगर तत्काल और निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और बिगड़ेगी। वायु प्रदूषण शरीर में हानिकारक रासायनिक प्रतिक्रियाओं को जन्म देता है जो कोशिकाओं, प्रोटीन और डीएनए को नुकसान पहुँचाती हैं, जिससे मनोभ्रंश जैसी तंत्रिका संबंधी बीमारियों का मार्ग प्रशस्त होता है। उत्साहजनक रूप से, शोध बताता है कि वायु प्रदूषण को कम करने से स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक और जलवायु क्षेत्रों में दीर्घकालिक लाभ मिल सकते हैं। इससे मरीजों, परिवारों और देखभाल करने वालों पर बोझ भी कम होगा। अब हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि हम न केवल अपने फेफड़ों, बल्कि अपने दिमाग की भी रक्षा के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार हैं?

हेल्दी लाइफ का मंत्र है योगा

हेल्दी लाइफ चाहते हैं, तो योगा और मेडिटेशन को रेग्युलर फॉलो करें। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, एक महीने तक रोजाना 20 मिनट मेडिटेशन करना ही आपकी सेहत को बहुत हद तक सुधार सकता है। वैसे, इन्हें कम समय में करने की टेक्नीक्स भी हैं

आज हर तरफ तनाव बढ़ रहा है। ऐसे में सुकून पाने के लिए लोगों का झुकाव योगा व मेडिटेशन की तरफ बढ़ रहा है। दरअसल, अब लोग शारीरिक व मानसिक समस्या का हल योग में तलाशने लगे हैं। अगर आप भी इन्हीं में से हैं, तो जल्दी और आसानी से होने वाले

रिफ्रेश योगा

कुछ लोगों का कहना है कि रोजमर्रा की इस भागमभाग जिंदगी में जहां सांस लेने की फुरसत नहीं है, वहां योग व मेडिटेशन कैसे किया जाए। ऐसी शिकायत करने वालों के लिए रिफ्रेश योगा बेहद फायदेमंद साबित होगा। बता दें कि रिफ्रेश योगा प्राणायाम का पार्ट है, लेकिन आप इसे करेंगे, तो धीरे- धीरे सुकून फील करेंगे। अगर आप थके-थके रहते हैं, तो कुछ ही दिनों में हेल्दी फील करने लगेंगे। फ्रेश होने का यह सबसे आसान तरीका है और खास बात यह है कि बस, ट्रेन और प्लेन, यह कहीं भी किया जा सकता है।

- आंख, जीभ, कमर, गर्दन और हाथ पैरों की कलाइयों को दांए-बाएं और ऊपर-नीचे करते हुए गोल-गोल घुमाएं।
- हाथों की मुट्ठी को खोलें और बंद करें। इसी तरह पैरों की उंगलियों को खोलें और बंद करें।
- पूरा मुंह खोलकर बंद करें। कानों को मरोड़ें।
- खुलकर अंगड़ाई लें।
- अगर तनाव में हैं , तो पेट की हवा पूरी तरह बाहर निकाल दें और नए सिरे से फ्रेश हवा भरें। ऐसा पांच से छह बार करें।
- हंसने का मौका हो , तो खिलखिलाकर हंसें।

योग टॉनिक

आठ घंटा सोने के बाद भी अगर आप टेंशन फ्री नहीं रह पाते हैं या पूरी तरह रिलैक्स्ड फील नहीं करते , तो योग टॉनिक अपनाएं। योग टॉनिक में आप सबसे पहले योगा संगीत को अपनी लाइफ का हिस्सा बनाएं।

- योगा संगीत से मतलब ऐसा संगीत , जो मन को सुकून देता हो।
- योगा संगीत में पूरी तरह रम जाएं। तकरीबन 10 मिनट का योगा संगीत आपको रिफ्रेश कर देगा।
- संगीत को धीमी आवाज में बजाएं।

हास्य योगा

एक्सपर्ट्स के मुताबिक , खुश और प्रसन्न रहना लंबी उम्र और हेल्थ का राज है। इसलिए सुबह , दोपहर और शाम तीनों समय खूब जोर से हंसें।

- जितना जोर से हो सके , हंसे।
- हंसी को अंदर से लाएं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि आपके सिर्फ होंठ खुलें।
- एक बार में 1 से 2 मिनट तक हंसें। इस क्रिया को दो से तीन बार दोहराएं।
- खुलकर हंसने से आपका ब्लड सर्कुलेशन ठीक हो जाता है , जिससे आप हेल्दी रहते हैं।

ओम का उच्चारण

आप ओम का उच्चारण भी धीमी आवाज में कर सकते हैं। इसे सांस रोककर जितनी देर तक कर सकते हैं , करें।

- यह मन को अंदर तक शांत कर देता है।
- ब्रेन सेल्स को आराम मिलता है।
- इसके उच्चारण के दौरान पेट को जितनी देर तक हो सके , अंदर खींचें।

ट्रांसडर्मल मेडिटेशन

अगर आपका काम तनाव से भरा है और साथ आपको कई बार चीजें याद भी नहीं रहती , तो ट्रांसडर्मल मेडिटेशन करें। मानसिक तनाव को कम करने का एक यह एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

- ट्रांसडर्मल मेडिटेशन में डाइट का खास ख्याल रखा जाता है।
- इसमें नेचलर चीजें , जैसे मड बाथ , स्टीम वगैरह दी जाती है।
- इसमें ध्यान फोकस करने के तरीकों को सिखाया जाता है।
- अगर दिमाग को शांति दूसरे लोगों से मिलने जुलने में मिलती है , तो ऐसा जरूर करें। यह आपके लिए मेडिटेशन का काम करेगा।
- जिस काम को करें , उसमें अपना तन - मन लगा लें। डेडिकेशन ही कामयाबी का राज है।
- फिजिकल फिटनेस के लिए अपने शरीर का वक्त जरूर दें।
- एक साथ बहुत सारी चीजों में शामिल न हों।
- खुश रहने के लिए काम को एंजॉय करना भी जरूरी है।
- दिमागी सुकून के लिए किसी से बहुत ज्यादा उम्मीदें न लगाएं।

आयुर्वेद से काबू करें अस्थमा

अस्थमा और एलर्जी पीड़ितों के लिए यह माह थोड़ा खतरनाक होता है। क्योंकि बारिश के बाद सितंबर में धूल उड़ती है। बारिश के कीटाणुओं को फैलने-पनपने का मौका मिल जाता है। यूं भी वातावरणीय कारकों से फैल रही एलर्जी के कारण अस्थमा के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके साथ बदलती जीवनशैली और प्रदूषण के कारण भी अस्थमा और एलर्जी के मरीज बढ़ रहे हैं। कुछ आयुर्वेदिक औषधियां और घरेलू नुस्खे इसमें काफी राहत देते हैं।

क्या होता है अस्थमा

श्वास नलियों में सूजन से चिपचिपा बलगम इकट्ठा होने, नलियों की पेशियों के सख्त हो जाने के कारण मरीज को सांस लेने में तकलीफ होती है। इसे ही अस्थमा कहते हैं। अस्थमा किसी भी उम्र में यहां तक कि नवजात शिशुओं में भी हो सकता है।

- अस्थमा: यह हैं लक्षण
- बार-बार होने वाली खांसी
- सांस लेते समय सीटी की आवाज
- छाती में जकड़न
- दम फूलना
- खांसी के साथ कफ न निकल पाना
- बेचैनी होना
- बचाव ही सर्वोत्तम उपाय

धूल, मिट्टी, धुआं, प्रदूषण होने पर मुंह और नाक पर कपड़ा ढ़कें। सिगरेट के धुएं से भी बचें।

ताजा पेन्ट, कीटनाशक, स्प्रे, अगरबत्ती, मच्छर भगाने की कॉइल का धुआं, खुशबूदार इत्र आदि से यथासंभव बचें।

रंगयुक्त व फ्लेवर, एसेंस, प्रिजर्वेटिव मिले हुए खाद्य पदार्थों, कोल्ड ड्रिंक्स आदि से बचें।

दमा में कारगर जड़ी-बूटियां

वासा- यह सिकुड़ी हुई श्वसन नलियों को चौंड़ा करने का काम करती है।

कंटकारी- यह गले और फेंफड़ों में जमे हुए चिपचिपे पदार्थों को साफ करने का काम करती है।

पुष्करमूल- एंटीहिस्टामिन की तरह काम करने के साथ एंटीबैक्टीरियल गुण से भरपूर औषधि।

यष्टिमधु- यह भी गले को साफ करने का काम करती है।

प्रचलित आयुर्वेदिक औषधियां

कंटकारी अवलेह
वासावलेह
सितोपलादि चूर्ण
कनकासव
अगत्स्यहरीतिकी अवलेह

फैमेली डॉक्टर अमरूद और टमाटर

सर्दियों का मौसम खान-पान के लिहाज से यूं भी बेहद अच्छा माना जाता है। इस मौसम में फल-सब्जियों और ड्रायफ्रूट्स तक की बहार रहती है। इसलिए ठंड के दिनों में पारंपरिक तौर पर भी बादाम या खसखस के हलवे तथा बाजरा की घी डली खिचड़ी से लेकर अमरूद, पालक, मैथी, गाजर, टमाटर आदि जैसी अनेक पौष्टिक चीजों का मजा आसानी से लिया जाता है। कुल मिलाकर यह सेहत बनाने के दिन होते हैं। अब हलवा और खिचड़ी जैसे गरिष्ठ खाद्य को आप कैलोरी कॉन्सियश होने के कारण सिर्फ चखकर छोड़ देना चाहें तो भी सर्दियों में फल और सब्जियों के रूप में ही आप खासे विटामिन और खनिज शरीर को दे सकते हैं। आइए नजर डालते हैं, ऐसे ही पोषक तत्वों से भरपूर अमरूद और टमाटर के गुणों पर।

अमरूद - खाने में खट्टे और मीठे दोनों तरह के स्वाद से बने इस फल की खासियत यह है कि यह हर आदमी की पहुंच में आने वाला, सहज उपलब्ध फल है... लेकिन गुणों के मामले में यह कई महंगे फलों पर भारी पड़ता है। अमरूद, बिही या जामफल जैसे कई नामों से पुकारे जाने वाले इस फल में विटामिन सी कई अन्य सिट्रस फ्रूट्स के मुकाबले 4 से 10 गुना तक ज्यादा होता है। यह विटामिन शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता में इजाफा करता है। इसमें थोड़ी मात्रा में विटामिन ए या कैरोटिन भी होता है। इसमें कई खनिज लवण भी प्रचुर मात्रा में होते हैं।

जितना ज्यादा पका हुआ अमरूद होगा, उतनी ही इन सारे पौष्टिक तत्वों की मात्रा भी उसमें बढ़ी हुई होगी। डॉक्टर्स भी बेहद पके अमरूद को खाने की सलाह अक्सर हीमोग्लोबीन की कमी होने पर देते हैं। इसलिए महिलाओं के लिए यह और भी लाभदायक हो जाता है। इसमें फास्फोरस तथा कैल्शियम जैसे तत्व भी खासी मात्रा में होते हैं, जो हड्डियों के लिए फायदेमंद होते हैं।

टमाटर - सुर्ख से टमाटर को सलाद और सब्जी से लेकर फल की तरह भी खाने के उपयोग में लाया जाता है। पौष्टिक तत्वों से भरपूर यह फल आपकी ऑस्टियोपोरोसिस जैसे रोग से बचने में सहायता कर सकता है। एक नया अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करता है कि टमाटर के ज्यूस का सेवन इस रोग से आपको दूर रख सकता है।इसका कारण है टमाटर में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट केरेटोनॉइड लाइकोपेन जो टमाटर को लाल रंग भी देता है। इस तरह से मजबूत हड्डियों को पाने की राह में यह बेहद आसान और बनिस्बत सस्ता रास्ता है। इसका कारण है टमाटर में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट केरेटोनॉइड लाइकोपेन जो टमाटर को लाल रंग भी देता है। इस तरह से मजबूत हड्डियों को पाने की राह में यह बेहद आसान और बनिस्बत सस्ता रास्ता है।

क्यों खूबसूरत दिखती हैं औरतें

515 केमिकल का होता है कमाल

पुरुषों को यह बात हमेशा खलती है कि महिलाएं उनकी तुलना में ज्यादा सुंदर क्यों दिखती है। उनके इस सवाल का जवाब एक अध्ययन ने ढूंढ निकाला है, जिसके मुताबिक महिलाएं सुंदर दिखने के लिए रोजाना विभिन्न सौंदर्य प्रसाधनों के रूप में 500 से अधिक रसायन अपने चेहरे और बदन पर लगाती हैं। डियोड्रेंट बनाने वाली कंपनी बियोनसेन द्वारा कराए गए अध्ययन में बताया गया है कि सुंदरता की ललक रखने वाली महिलाएं सौंदर्य प्रसाधन के तौर पर 13 उत्पादों का इस्तेमाल करती हैं। इनमें से अधिकतर में 20 से अधिक रसायन सामग्री होती है। 'द सन' ने बियोनसेन के शेरलोट स्मिथ के ह्वाले से बताया, सुंदरता के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले तौर-तरीकों में नाटकीय बदलाव आया है। पहले कहीं जाने से पहले अपने चेहरे को धोना ही काफी होता था, लेकिन आजकल इसकी जगह रोजाना चेहरे और बदन को नकली रंग दिया जाता है, नियमित तौर पर नाखून प्रसाधन किया जाता है और बालों को अलग-अलग रूप दिया जाता है। अध्ययन में बताया गया है कि सर्वाधिक इस्तेमाल किए जाने वाले सौंदर्य प्रसाधन लिपस्टिक में औसतन 33 रसायन होते हैं, बॉडी लोशन में 32, मस्कारा में 29 और हैंड मॉइश्चराइजर में 11 रसायन होते हैं। यही वजह है कि 500 से अधिक केमिकल औरतों को पुरुषों की तुलना में खूबसूरत दिखाते हैं।

हल्के में न लें मसूढ़ों की तकलीफ

मसूढ़ों की सामान्य -सी लगने वाली परेशानी आपको इस कदर रुला सकती है कि आप सोच भी नहीं सकते हैं। मसूढ़ों में सूजन आना, उनसे खून आना गम डिजीज के लक्षण हैं। इस तरह की परेशानी होने पर इसे हल्के में न लें, बल्कि तुरंत ही डेंटल सर्जन से मिलें।

गम डिजीज न सिर्फ आपके दांत और मसूढ़ों तक सीमित रहती हैं, बल्कि इससे आपको दिल की बीमारी, डायबिटीज और मुंह का कैंसर भी हो सकता है। मौलाना आजाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंस के प्रिंसिपल डॉ. वर्मा ने बताया कि दांत की बीमारियों से ग्रस्त लगभग 46 फीसदी लोगों को मसूढ़ों या गम डिजीज हो जाती है। गम डिजीज में पेशेंट के मसूढ़ों में संक्रमण हो जाता है। गम डिजीज के रोगियों में से करीब 3 से 10 फीसदी पेशेंट के आगे चलकर मुंह के कैंसर का शिकार होने की संभावना होती है। मसूढ़ों से आने वाला खून संक्रमण के द्वारा आपके दिल तक पहुंचकर आपके दिल को भी खतरा पहुंचा सकता है। गम डिजीज के रोगियों में दो से चार गुणा तक हार्ट की बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है। भारत में लगभग 80 प्रतिशत लोग किसी न किसी रूप में दांतों की बीमारी का शिकार हो जाते हैं। बच्चों और बुजुर्गों का एक बड़ा तबका इससे प्रभावित है। एक रिपोर्ट के अनुसार 12 साल तक के लगभग 50 से 56 प्रतिशत बच्चों के दांतों मे कीड़ा पाया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 3 नॉर्मल डिलीवरी

बिर्रा। बम्हनीडीह विकासखंड अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिर्रा में 30 जुलाई को तीन नॉर्मल डिलीवरी अलग-अलग गांव से हुई। जिसमें दो लड़का और एक लड़की। जिसमें श्रीमती सुमन यादव उम्र 19 गांव सेमरिया को लड़की, श्रीमती ममता कोशले उम्र 20 गांव किकिरदा को लड़का और लक्ष बाई कुर्रे उम्र 33 गांव सोनादह को लड़का हुई है। जिसमें डॉ के के बरेठ (ग्रामीण चिकित्सक), स्टाफ नर्स - प्रतिमा कुर्रे, वन्दना रतडे, जयंती खूंटे, रजनी कर्ष, नमीता वाल्टर, मितानीन - फिरतीन कश्यप, दुकाला पलेकर, गायत्री यादव का विशेष योगदान रहा।

किरंदुल पुलिस ने चोरी के चार आरोपियों को किया गिरफ्तार, 6 .35 लाख का माल बरामद

किरंदुल पुलिस ने लार्सन एंड टुब्रो कंपनी से 203 नग ब्लू कोटेड शीट (कीमत लगभग 6,35,796 रुपये) चोरी करने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चोरी में प्रयुक्त ट्रक (ष्टत्र18 ॥ 1505) सहित चोरी का सामान भी बरामद कर लिया गया है। 29 जुलाई 2025 को सुबह करीब 5 बजे कंपनी परिसर से चोरी की घटना की सूचना पर थाना किरंदुल में अपराध क्रमांक 44/2025, धारा 303(2), 3(5) ब्हृह्स के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा गौरव राय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) उदित पुष्कर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.के. बर्मन के निर्देशन और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस किरंदुल कपिल चंद्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी संजय कुमार यादव ने विशेष टीम गठित की। टीम ने कंपनी में इलेक्ट्रिकल ठेकेदार के अधीन कार्यरत विनोद यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसके आधार पर चोरी में प्रयुक्त ट्रक और 203 नग ब्लू कोटेड शीट बरामद की गई। अन्य तीन आरोपी विश्वजीत राय, दीपक दुर्गा और संजय विश्वास, जो घटना के बाद फरार हो गए थे, को साइबर सेल की मदद से 30 जुलाई 2025 को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड के लिए न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्यवाही में उप निरीक्षक गोल्डी भारद्वाज, सहायक उप निरीक्षक के. सीमाचलम, प्रधान आरक्षक किर्तन नेताम, आरक्षक देवलाल सिदार, मकसूदन मंडावी, सोना ताती, बंटी मरकाम, पदमनाथ और साइबर सेल की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस की इस त्वरित कार्वाई से क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

बाल कैबिनेट गठन में बच्चों ने दिखाया लोकतांत्रिक जोश, लव कुमार बने शाला नायक

राजनांदगांव। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चिरचारीकला में बाल कैबिनेट गठन समारोह उत्साह और लोकतांत्रिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। विद्यालय परिसर में आयोजित इस विशेष अवसर पर बच्चों ने मतदान प्रक्रिया के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए शाला नायक (प्रधानमंत्री) पद के लिए लव कुमार को चुना। इस अवसर पर ग्राम प्रमुख हृदयराम सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रमुख हेमंत सलामे ने की। वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती सविता सलामे, शिक्षकगण संतोष निर्मलकर, देवेंद्र साहू एवं कमलेश देवांगन की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा 6वीं से 8वीं तक के छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने प्रतिनिधियों का चयन किया। जिसमें कक्षा 6वीं में कक्षा नायक अरुणा एवं उप नायक जितेंद्र कुमार, कक्षा 7वीं में कक्षा नायक गजेंद्र कुमार एवं उप नायक जयश्री एवं कक्षा 8वीं में कक्षा नायक तुलसी एवं उप नायक रणवीर शामिल है। इसी क्रम में क्रीड़ा मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, पर्यावरण मंत्री, संस्कृति मंत्री, मध्याह्न भोजन मंत्री सहित अन्य विभागों के लिए भी विद्यार्थियों द्वारा जिम्मेदार प्रतिनिधि निर्वाचित किए गए। संस्था प्रमुख हेमंत सलामे ने नवचयनित बाल प्रतिनिधियों को उनके कर्तव्यों और अधिकारों की जानकारी दी और उन्हें निष्ठा, सहयोग एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। सभी शिक्षकों ने नव निर्वाचित बाल प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक देवेंद्र साहू ने प्रभावी ढंग से किया। यह आयोजन बच्चों में नेतृत्व क्षमता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सहभागिता की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम साबित हुआ।

संगठन सृजन अभियान के तहत मंडल व सेक्टर पुनर्गठन को लेकर कांग्रेस की अहम बैठक आयोजित

राजनांदगांव। कांग्रेस के 2025 संगठन सृजन अभियान के तहत मंगलवार को उत्तर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा मंडल और सेक्टर समितियों के पुनर्गठन को लेकर अहम बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक गौरीनगर स्थित मांगलिक भवन में उत्तर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष आसिफ अली की अगुवाई में आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता उत्तर ब्लॉक प्रभारी व पूर्व महापौर सुश्री नीता लोधी ने की।

बैठक की शुरुआत में अध्यक्ष आसिफ अली ने समस्त वरिष्ठ नेताओं का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने उत्तर ब्लॉक की वर्तमान स्थिति, संगठनात्मक ढांचे और आगामी रणनीतियों की विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में राजनांदगांव विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी गिरीश देवांगन, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर छाबड़ा, प्रभारी बृजेश शर्मा, पूर्व महापौर हेमा देशमुख, जितेंद्र मुदलियार, प्रदेश महामंत्री शाहिद खान, प्रदेश प्रवक्ता रूपेश दुबे, किशन खंडेलवाल और नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति रही। उत्तर ब्लॉक प्रभारी सुश्री नीता लोधी ने कहा कि यह वर्ष संगठन सृजन को समर्पित है। इस दौरान हमें मंडल और सेक्टर स्तर पर समर्पित कार्यकर्ताओं को आगे लाकर संगठन को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि संगठन को गुटबाजी से मुक्त कर समन्वय और एकजुटता से कार्य करना होगा। साथ ही युवाओं को जोड़ने और भाजपा सरकार की विफलताओं को जनता के बीच ले जाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से त्रस्त हो चुकी है, ऐसे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है।

बैठक में बताया गया कि जल्द ही मंडल और सेक्टर प्रभारियों की नियुक्तियां कर दी जाएंगी, जिससे संगठनात्मक गतिविधियों में तेजी लाई जा सकेगी।

बैठक में उत्तर ब्लॉक के पार्षद सतीश मसीह, राजा तिवारी, छोटेलाल रामटेक, युवराज भारती, अभिमन्यु मिश्रा, समीर द्विवेदी, महेश साहू, इसाक खान, अजय छेदय्या, पूर्णिमा नागदेवे, विशाल गढ़े, राजा त्रिपाठी, शरद खंडेलवाल, हनीफ खान, हितेश गोन्नाडे, चेतन सिन्हा, राहुल देवांगन, मोहम्मद अशफाक, देवेंद्र साहू, निखिल यादव, दीपक पटेल, जितेंद्र चंद्राकर, अरविंद पासवान, कुंदन कुर्मी, देवेन्द्र कलिहारी, मोहनीश गेडाम, यासीन शेख, जाकिर खान, ऋषि रजक, हरीश यादव, मोहम्मद रफीक, विजय यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

कार्यक्रम का समापन उत्तर ब्लॉक के पार्षद राजा तिवारी द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

भाटापारा शहर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी मामले में 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

पुलिस टीम द्वारा आरोपियों को उड़ीसा से किया गया गिरफ्तार

भाटापारा। मामले में एंड टू एंड विवेचना करते हुए उड़ीसा से अवैध मादक पदार्थ गांजा की सप्लाई करने वाले आरोपियों को किया गया गिरफ्तार किया गया।

मामले में पूर्व में 01 आरोपी को गिरफ्तार कर ?1,76,800 कीमत मूल्य का 17.280 किलोग्राम गांजा किया गया था जप्त ,साथ ही आरोपी से 01 नग मोबाइल भी किया गया था जप्त।थाना भाटापारा शहर की पुलिस टीम द्वारा विशाखापट्टनम एक्सप्रेस के माध्यम से उड़ीसा से भाटापारा आकर अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करने वाले आरोपी शिबा रायता को स्टेशन रोड भाटापारा के पास पकड़ा गया। आरोपी से ?1,76,800 कीमत मूल्य का कुल 17.280 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त किया गया। साथ ही प्रकरण में आरोपी से 01 नग मोबाइल भी जप्त किया गया। प्रकरण में थाना भाटापारा शहर में आरोपी के विरुद्ध अपराध क्र. 338/2025 धारा 20क्क हृष्ठक्कस् एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।प्रकरण में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना भाटापारा शहर पुलिस द्वारा जांच एवं विवेचना कार्यवाही करते हुए तथा पूर्व में गिरफ्तार आरोपी शिबा रायता से पूछताछ कर मेमोरंडम कथन लिया गया, जिसमें यह पाया गया कि उड़ीसा राज्य निवासी पीपन नायक एवं सीमा मामू उर्फ सीमांचल पालका द्वारा उड़ीसा से पूर्व में गिरफ्तार आरोपी शिबा रायता को अवैध मादक पदार्थ गांजा देकर तस्करी करने के लिए भाटापारा भेजा गया था। इस प्रकार थाना भाटापारा शहर पुलिस द्वारा मामले में एंड टू एंड विवेचना कार्यवाही करते हुए उड़ीसा से गांजा देकर भाटापारा में तस्करी करवाने वाले 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है तथा 02 नग मोबाइल भी जप्त किया गया है।आरोपियों को आज दिनांक 30.07.2025 को विधिवत गिरफ्तार करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है। प्रकरण विवेचना में है। आरोपियों में पीपन नायक उम्र 22 साल निवासी ग्राम भामीपंक पोस्ट चंदगिरी थाना मोहना जिला गजपति उड़ीसा, सीमा मामू उर्फ सीमांचल पालका उम्र 28 साल निवासी ग्राम चांदलीगुडा थाना गुडारी जिला रायगढा उड़ीसा है।

गिरनार तीर्थ के नायक नेमीनाथ परमात्मा का धूमधाम से मनाया गया जन्म कल्याणक महोत्सव

देश-प्रदेश से जुटे श्रद्धालू, परमात्मा की प्रतिमा का विभिन्न औषधियों से किया अभिषेक

दुर्ग । श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर ट्रस्ट एवं सहजानंदी वर्षावास समिति द्वारा नवकार भवन ऋषभ नगर में गिरनार मंडन नेमीनाथ परमात्मा का जन्म कल्याणक महोत्सव प.पू. विराटसागर जी मसा आदि ठाणा के सानिध्य में विभिन्न औषधियों के 251 कलशों से परमात्मा का अभिषेक कर धूमधाम के साथ मनाया गया। महोत्सव में श्रद्धालुओं द्वारा संगीतमय भजनों की धुन में नाच गाकर परमात्मा की श्याम वर्णी प्रतिमा का विभिन्न औषधियों से अभिषेक किया गया। उल्लेखनीय है कि जीवदया प्रतिपालक , आबाल ब्रह्मचारी ,जैनों के 22 वे तीर्थंकर गिरनार मंडन नेमीनाथ परमात्मा ने का जन्म श्रावण शुक्ल पंचमी को हुआ था। आज के दिन को संपूर्ण विश्व में जैन समाज के द्वारा जीव दया दिवस के रूप में मनाया जाता है। पूजन के पश्चात आरती एवं मंगल दीपक की गई। इस अवसर पर मूर्तिपूजक संघ के सदस्य बड़ी संख्या में जुटे। पूजन पश्चात सभी महानुभावों को प्रभावना प्रदान की गई। महोत्सव में दुर्ग-भिलाई के अलावा छत्तीसगढ़ व देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालू शामिल हुए।

वन विभाग की कार्रवाई वन्य प्राणी शिकार के दो आरोपी न्यायिक हिरासत में भेजे गये

वनमण्डलाधिकारी गणवीर धम्मशील के दिशा-निर्देशन में वन्य अपराधों की रोकथाम के लिए पूरे वन क्षेत्र में सतत गश्त और निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में वन्य प्राणियों के शिकार का प्रयास करते दो आरोपियों क़ो वन विभाग की गश्ती दल द्वारा गिरफ्त में लिया और कार्यवाही करते हुए न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार क़ो रात्रि गश्त के दौरान वन परिक्षेत्र सोनाखान के अंतर्गत असनींद परिसर के कक्ष क्रमांक 196 आर.एफ के समीप दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। ग्राम बहेराभाठा, असनींद, तहसील कसडोल निवासी आरोपी जितेन्द्र कुमार बरिहा, उम्र 20 वर्ष, पिता गौर सिंग बरिहा एवं प्रमोद कुमार बरिहा, उम्र 20 वर्ष, पिता मलितराम बरिहा क़ो अवैध शिकार के इरादे से मोटरसाइकिल क्रमांक सीज़ी 06 एच बी 9589 से वन क्षेत्र में प्रवेश करते हुए पकड़ा गया। मौके पर आरोपियों के पास से तीर-कमान, टॉर्च, मोंगरी, चादर आदि शिकार में उपयोग की जाने वाली सामग्रियां भी जब्त की गईं। आरोपियों के खिलाफ वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 एवं संशोधित अधिनियम 2022 की धारा 9, 50, 51 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए पी.ओ.आर. क्रमांक 15639/ प्रकरण दर्ज किया गया और दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। वनमण्डलाधिकारी गणवीर धम्मशील ने कहा है कि वन मंत्री जी के निर्देशानुसार हमारी प्राथमिकता है कि जंगल और जैव विविधता को किसी भी स्थिति में क्षति न पहुंचे। वन और वन्यजीव से संबंधित किसी भी प्रकार के अवैध कृत्य को क़ानूनी रूप से कड़ी कार्रवाई के दायरे में लाया जाएगा। कार्रवाई के दौरान परिक्षेत्र अधिकारी सोनाखान सुनीत साहू, प्रशिक्षु आरएफ्ओ नवीन वर्मा, प्रशिक्षु वन क्षेत्रपाल दीपक कौशिक, परिसर रक्षी बुधेश्वर दिवाकर, अश्वनी साहू सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

फिज़िक्सवाला ने बिलासपुर में फिज़िक्सवाला नेशनल स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट 2025 के चौथे संस्करण की घोषणा की

बिलासपुर । एजुकेशन कंपनी फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने PWNSAT (फिज़िक्सवाला नेशनल स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट) 2025 के चौथे संस्करण की घोषणा की है। यह स्कॉलरशिप टेस्ट NEET-UG और IIT-JEE के अभ्यर्थियों के लिए एक प्रयास है ताकि शिक्षा और मार्गदर्शन को सभी छात्रों तक पहुँचाया जा सके, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। यह पहल बिलासपुर में घोषित की गई, जहाँ छत्तीसगढ़ के पीडब्ल्यू रीजनल हेड, पीडब्ल्यू विद्यापीठ बिलासपुर के सेंटर हेड और बिज़नेस हेड एक साथ उपस्थित हुए और उन्होंने PWNSAT 2025 के विभिन्न लाभों की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, शहर के कई स्कूलों के प्राचार्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। PWNSAT 2025 एग्ज़ाम ऑनलाइन और ऑफ्लाइन दोनों मोड में आयोजित किया जाएगा, ताकि देश के विभिन्न क्षेत्रों के छात्र इसे आसानी से दे सकें। ऑनलाइन मोड के लिए छात्र 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 के बीच परीक्षा दे सकते हैं। वहीं, ऑफ्लाइन मोड में परीक्षा 5 अक्टूबर और 12 अक्टूबर 2025 को आयोजित की जाएगी, जो पीडब्ल्यू के सभी विद्यापीठ और पाठशाला सेंटर्स पर होगी। यह रजिस्ट्रेशन मुफ्त है और कक्षा 5वीं से 12वीं तक के छात्र, साथ ही 12वीं पास कर चुके छात्र, चाहे वे पीसीएम स्ट्रीम के हों या पीसीबी के, सभी के लिए खुला है। परीक्षा का परिणाम 25 अक्टूबर 2025 को घोषित किया जाएगा।

छुईखदान जनपद पंचायत में वित्तीय अनियमितता का बड़ा खुलासा, वर्षों से नहीं बना बजट

छुईखदान/खैरागढ़। जनपद पंचायत छुईखदान में वर्षों से बजट न बनाए जाने और मनमानी ढंग से करोड़ों रुपये खर्च किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। यह गंभीर वित्तीय लापरवाही अब प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बन चुकी है। पंचायती राज अधिनियम और सामान्य वित्तीय नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए जनपद प्रशासन द्वारा बीते 5-6 वर्षों से न तो बजट तैयार किया गया और न ही किसी समिति से व्यय की स्वीकृति ली गई।

बिना स्वीकृति खर्च हुई राशि, वसूली की उठी मांग - सूत्रों की मानें तो जनपद पंचायत द्वारा नियमों को दरकिनार करते हुए बगैर अनुमोदन के बड़े पैमाने पर भुगतान किया गया है। अब मांग की जा रही है कि इस राशि की वसूली संबंधित अधिकारियों से कर जनपद के खाते में जमा कराई जाए।

एईओ ने किया खुलासा, नहीं बना वर्ष 2025-26 का बजट - जनपद पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोपाल गिरी ने इस गंभीर चूक की पुष्टि करते हुए बताया कि कई वर्षों से बजट नहीं बनाया गया है। वर्ष 2025-26 के लिए भी अब तक कोई बजट तैयार नहीं हुआ है। नतीजतन कर्मचारियों को वेतन भुगतान और अन्य आवश्यक प्रशासनिक कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है।

15वें वित्त आयोग की राशि का भी दुरुपयोग- बताया गया है कि 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत मिली राशि का उपयोग भी नियमों के विपरीत किया गया है। पहले से ही इस मामले में जांच लंबित है। अब जनप्रतिनिधियों और जागरूक नागरिकों द्वारा मांग की जा रही है कि जांच प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कर दोषियों के खिलाफआपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए।

जिला प्रशासन पर लापरवाही के आरोप- सूत्रों के अनुसार, इस मामले में कई बार जनपद और जिला पंचायत खैरागढ़ को पत्राचार कर जानकारी मांगी गई, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। आरोप है कि जिला सीईओ द्वारा जान-बूझकर मामले को लंबित रखा जा रहा है, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

उच्च स्तरीय जांच की मांग तेज- इस गंभीर वित्तीय गड़बड़ी को लेकर क्षेत्र में नाराजगी है। नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने पंचायत संचालनालय रायपुर से विशेषज्ञ वित्तीय टीम बुलाकर सूक्ष्म जांच कराने की मांग की है। साथ ही दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने और जनधन की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल प्रभाव से कदम उठाने की अपील की गई है।

यह मामला अब एक बड़े प्रशासनिक संकट का रूप ले चुका है और जल्द कार्रवाई नहीं होने पर जनआक्रोश बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

खबर-खास

मोटोरोला ने लॉन्च किया moto g86 POWER

मोटोरोला, मोबाइल टेक्नोलॉजी में दुनिया का बड़ा नाम और भारत का प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांडट्ट, ने आज moto g86 POWER लॉन्च किया। यह जी-सीरीज का एक शानदार फोन है, जिसमें 20,000 रुपये से कम कीमत में बेहतरीन फीचर्स दिये गये हैं। इसमें 6.67 इंच 1.5K pOLED सुपर HD फ्लैट डिस्प्ले है, जो इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा चमकदार (4500 निट्स ब्राइटनेस के साथ) है। इसमें 120H5 रिफ्रेश रेट और गोरिल्ला ग्लास 7i प्रोटेक्शन भी है, जो स्क्रीन को मजबूत और स्मूथ बनाता है। फोन में मोटो एआई के साथ सेगमेंट का अग्रणी 50MP OIS सोनी LYTIA™ 600 कैमरा आता है और सभी लेंस से 4K वीडियो रिकॉर्डिंग करता है। इसके साथ 8MP अल्ट्रावाइड + मैक्रो विजन लेंस और 32MP सेल्फी कैमरा भी इसमें मौजूद है। 6720mAh की बड़ी बैटरी के साथ यह 2 दिन से ज्यादा चलती है। मोटो g86 पावर IP68 + IP69 अंडरवाटर प्रोटेक्शन और MIL-STD-810H मिलिट्री-ग्रेड ड्यूरैबिलिटी के साथ अपनी श्रेणी में सबसे मजबूत फोन है। मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7400 प्रोसेसर की वजह से यह फोन मल्टीटास्किंग और गेमिंग में बहुत तेज है। यह 8GB रैम + 128GB स्टोरेज के वैरिएंट में आता है और इसकी कीमत सिर्फ16,999* रुपये है। moto g86 POWER अपने सेगमेंट में सबसे चमकदार 1.5K pOLED सुपर एचडी फ्लैट डिस्प्ले के साथ नया मानक स्थापित करता है। यह एक शानदार व्यूईंग एक्सपीरियंस प्रदान करता है। उद्योग में अग्रणी 4500 निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ, स्क्रीन खराब रौशनी में भी अच्छे से दिखती है। 6.67 इंच का pOLED डिस्प्ले में डिस्प्ले कलर बूस्ट टेक्नोलॉजी है, जो जीवंत और वास्तविक रंग प्रदान करता है। इसमें 10-बिट कलर डेप्थ और 100% DCI-P3 कलर गैमट का सपोर्ट दिया गया है, जो सिनेमैटिक विजुअल्स का अनुभव देते हैं। 120H5 रिफ्रेश रेट अल्ट्रा-स्मूथ स्क्रॉलिंग, आसानी से ऐप स्विच करना और रिस्पॉन्सिव गेमिंग सुनिश्चित करता है। स्मार्ट वाटर टच 2.0 के साथ, डिस्प्ले गीले हाथों से या पानी की छींटों के बीच भी बिना किसी रुकावट के काम करता है।

शिकागो में गूंजेगी छत्तीसगढ़ की माटी की खुशबू, मशहूर कलाकार अनुराग शर्मा को मिलेगा सम्मान

छत्तीसगढ़ की संस्कृति और संगीत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने वाले मशहूर सिंगर और एक्टर अनुराग शर्मा को अमेरिका के शिकागो शहर में विशेष सम्मान से नवाज़ा जाएगा। यह सम्मान उन्हें छत्तीसगढ़ी भाषा, संगीत और संस्कृति में उत्कृष्ट योगदान के लिए North America Chhattisgarh Association (नाचा) द्वारा प्रदान किया जाएगा। इस गौरवपूर्ण अवसर पर अनुराग शर्मा 2 अगस्त को शिकागो में आयोजित एक विशेष सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ी और हिंदी गीतों की प्रस्तुति भी देंगे। यह कार्यक्रम न केवल प्रवासी भारतीयों के लिए भावनात्मक जुड़ाव का माध्यम होगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की कला और कलाकारों के लिए भी गर्व का विषय है। अनुराग शर्मा की यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ी प्रतिभा की वैश्विक पहचान का प्रतीक है और प्रदेश के कलाकारों को नई प्रेरणा प्रदान करेगी।

कलेक्टर और एसपी ने ली कानून व्यवस्था को लेकर बैठक

सूरजपुर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आज कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन एवं पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत ठाकुर की अध्यक्षता में जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त बैठक जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर सूरजपुर, एसडीओपी, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, पुलिस विभाग के अधिकारी एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्कता बरतें तथा असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति की आशंका होने पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कांवड़ यात्रा के दौरान विशेष सतर्कता बरतने, भीड़ नियंत्रण और मार्गों पर यातायात व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश भी दिए। पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने कहा कि शांति और सौहार्द बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल में गुणवत्ताहीन शिक्षा, पालक चिंतीत ?

गरियाबंद (समय दर्शन)। आत्मानंद स्कूल में प्रवेश के लिए पालकगणों मे इस कदर पागल पन सवार रहता है कि अपने नौनिहालों को शासकीय स्वामी आत्मानंद स्कूल में प्रवेश के लिए शिक्षकों,नेताओं से सिफारिश करवाने में लगे रहते हैं जब एडमिशन हो जाता है तो ऐसा महसूस करते हैं जैसा कि देश के जाने-माने विश्वविद्यालय में उनके जिगर का टुकड़ा का दाखिला हो गया। स्वामी आत्मानंद स्कूल का हाल जब जानेंगे तो उन पालकों का पागल पन दूर हो जायेगा।उच्च शिक्षित शिक्षको का गुणवत्ताहीन शिक्षा परोसना बहुत ही चिंताजनक है।आज शिक्षक क्लास रूम में फेसबुक,इंस्टाग्राम,ट्विटर,में व्यस्त हैं बच्चों को पढ़ाने लिखाने में कोई रुचि नहीं रखते,पैसा के लिए नौकरी करने वाले बच्चों

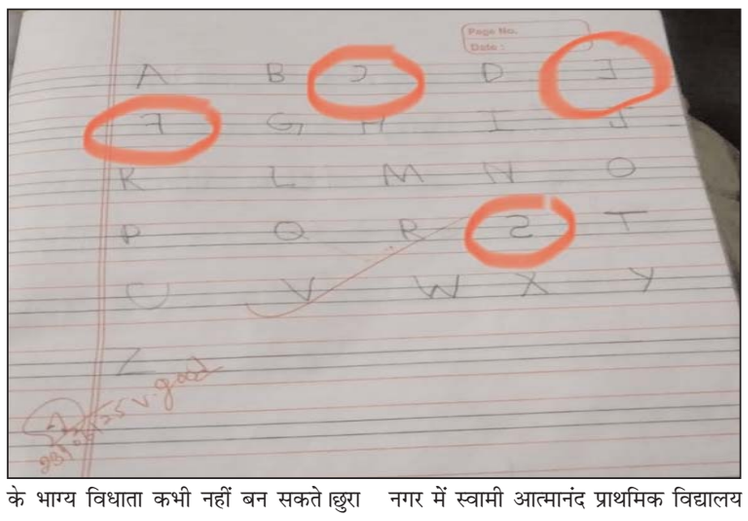

के भाग्य विधाता कभी नहीं बन सकते।छुरा नगर में स्वामी आत्मानंद प्राथमिक विद्यालय अंग्रेजी माध्यम में पदस्थ शिक्षक अंग्रेजी में एम ए तक शिक्षा प्राप्त कर प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को ऐसा शिक्षा दें रहे हैं।छात्र अंग्रेजी में छब्बीस अक्षर भी सही से लिख नहीं पाया है, लेकिन मास्टर जी ने कापी जांचा और राईट लगाकर बहुत अच्छा लिखा है।

इसी तरह हिन्दी विषय के शिक्षक ने भी हिंदी का बावन अक्षर नहीं लिख पाया छात्र ने उसे भी राईट बताया है ये सब स्वामी आत्मानंद स्कूल का गुणवत्ताहीन शिक्षा का जिता जागता उदाहरण है पालकों को एक बार सोचने को मजबूर करेगा।गुणवत्ताहीन शिक्षा,शिक्षा प्रणाली की वह स्थिति है जहां छात्रों को आवश्यक ज्ञान,कौशल,और क्षमताओं का विकास नहीं हो पाता है, जो उन्हें एक सफल और सार्थक जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं।

शिक्षण विधियों की कमी,,,शिक्षक-केंद्रित और रटने पर आधारित शिक्षण विधियां छात्रों को रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच विकसित करने में मदद नहीं करती हैं

सीखने के लिए प्रतिकूल वातावरण-कक्षा में अधिक भीड़,अपर्याप्त सुविधाएं, और शारीरिक दंड जैसे कारक सीखने के वातावरण को प्रतिकूल बनाते हैं।

मूल्यांकन की कमी,,,छात्रों के सीखने के स्तर का सही मूल्यांकन न होने से,शिक्षकों को उनकी प्रगति का पता नहीं चलता और वे आवश्यक सहायता प्रदान नहीं कर पाते.

छात्रों की भागीदारी की कमी गुणवत्ताहीन शिक्षा में,छात्रों को सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के अवसर नहीं मिलते।

मोटर सायकल चलाने की बात को लेकर गाली गलौचकर जान से मारने की नियत से मारपीट करने वाले आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। मोटर सायकल चलाने की बात को लेकर गाली गलौचकर जान से मारने की नियत से मारपीट करने वाले 4 आरोपी एवं 2 विधि से संघर्षरत बालक सही 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना में मिली जानकारी के अनुसार 29 जुलाई को प्रार्थी भोजराम साहू पिता सुरेश कुमार साहू,उम्र 25 वर्ष पता ग्राम जौंदी,शीतला पारा थाना -गोबरा नयापारा,जिला रायपुर के द्वारा थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि सावन माह में अलग-अलग जगह घूम-घूम कर प्रार्थी और उसके दोस्त घटना दिनांक 28 जुलाई के शाम को वापस अपने घर लौट रहे थे।सड़क में मोटर सायकल चलाते समय कुल अज्ञात लोगो से मोटर सायकल चलाने की बात को लेकर विवाद हुआ था।जो सुरसाबांधा बस स्टैण्ड के पास पहुचने से बारिस होने के कारण प्रार्थी और उसके दोस्त रेन कोट पहनने के लिये रूके हुये थे।तभी 5-6 व्यक्ति अपने वाहन मो0सा0 से प्रार्थी के पास आकर मोटर सायकल चलाने की बात को लेकर अश्लील गाली-गलौच करते हुए, जान से मारने की नियत से आरोपीगण द्वारा हांथ,मुक्का एवं धारदार नुकीले वस्तु से प्रार्थी के दोस्त बुद्धेश्वर साहू के पेट में चोंट

पहुचाया गया।इस रिपोर्ट पर थाना राजिम में अज्ञात आरोपीगण के विरूद्ध अपराध धारा 296,115(2),351(3),190,190(2),191(3),109 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा अज्ञात आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी करने के संबंध में निर्देश दिये थे। आरोपीगण की पतासाजी हेतु मुखबीर लगाया गया।जो मुखबीर की सूचना प्राप्त होने पर थाने से पुलिस टीम गठीत कर आरोपी हरिशंकर निषाद उर्फ भोला,हर्ष मानिकपुरी उर्फ मोनू,ठाकुर राम निषाद, जितेंद्र निषाद एवं दो विधि से संघर्षरत बालक को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पुछताछ किया गया।जो सभी आरोपिगण के द्वारा अपने जुर्म स्वीकार करते हुए सड़क में मोटर सायकल चलाने की बात को लेकर प्रार्थी भोजराम साहू एवं उनके साथी बुद्धेश्वर साहू के साथ मारपीट करना बताये। प्रकरण में विवेचना के दौरान 25 आर्म्स एक्ट की धारा जोड़ी गई।आरोपियों के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने से समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

गौरव गरियाबंद अभियान के माध्यम से जिले मे शिक्षा को और आगे ले जाना है- कलेक्टर उइके

जिला स्तरीय शिक्षक उत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। आज राजिम में ओपन लिंक फाउंडेशन के द्वारा जिला स्तरीय शिक्षक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों,संकुल समन्वयको एवं ब्लाक अधिकारियों को सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न बिंदुओं पर विचार विमर्श एवं चयनित बिंदु पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस अवसर पर कलेक्टर भगवान सिंह उइके ने कहा कि यह आयोजन शिक्षकों के लिए एक दूसरे के साथ अनुभव साझा करने तथा सीखने के अवसर को बढ़ाने का एक अच्छा माध्यम है। विनोबा ऐप से शिक्षकों को मदद मिल रही है। विगत 2 वर्षों में गौरव गरियाबंद अभियान के द्वारा 10वीं एवं 12वीं के परिणाम में जिले ने अच्छा रैंक प्राप्त किया है। यह प्रयास निरंतर बने रहना चाहिए तथा इस वर्ष हमें और बड़े लक्ष्य के लिए कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि कमजोर बच्चों तथा

पिछड़े इलाकों में शिक्षा के प्रसार के लिए भी काम करने की आवश्यकता है। शिक्षकों को अपना कार्य पूरी ईमानदारी और लगन पूर्वक करना चाहिए, ताकि हमारा जिला सभी जिलों से आगे रहे। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर ने कहा की गौरव गरियाबंद अभियान में विनोबा का निरंतर सहयोग मिलता रहा है,इस वर्ष भी हम ओपन लिंक फाउंडेशन से ऐसे ही सहयोग की उम्मीद रखते हैं।हमें अपने जिले को और ऊंचाइयों पर ले जाना है।डीएमसी शिवेश शुक्ला ने कहा कि शिक्षा की बेहतरी के लिए जो भी प्रयास होगा उसमें हमारा पूरा सहयोग रहेगा,हमारे जिले के शिक्षक अच्छा मेहनत कर रहे हैं।ओपन लिंक फाउंडेशन के कार्यकर्ता विश्वजीत पवार, जितेंद्र,हेमंत साहू,शुभम पटेल ने बताया कि आने वाले दिनों में और भी ऐसे कार्यक्रम जो अच्छे कार्यों और शिक्षकों को प्रोत्साहित करें, निरंतर होता रहेगा। कार्यक्रम में मनोज केला,बुद्ध विलास सिंह, विल्सन थॉमस विल्सन,सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी,विकासखंड स्रोत समन्वयक,संकुल समन्वयक तथा चयनित शिक्षक तथा धमतरी,दुर्ग राजनांदगांव, रायपुर के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

शॉप्सीं ने पूरे किए 4 साल, 450 मिलियन से ज़्यादा डाउनलोड और अब भारत के छोटे शहरों तक बनाई पहुंच

बेंगलुरु: फ्लिपकार्ट का तेजी से बढ़ता हाइपर-वैल्यू प्लेजटफॉर्म शॉप्सी अपनी चौथी वर्षगांठ मना रहा है। इस मौके पर शॉप्सील ने 'भारत को किंग/क्वी ?न साइज जिंदगी' देने के अपने मिशन को और मजबूत किया है, ताकि ग्राहकों को कम खर्च में सबसे ज़्यादा फायदा मिल सके। अब तक 450 मिलियन से ज्याकदा ऐप डाउनलोड का आंकड़ा पार कर चुका शॉप्सीन देश के चारों कोनों में 19,000+ पिन कोड तक डिलीवरी कर रहा है, जिसमें मेट्रो शहरों से लेकर छोटे-छोटे कस्बों2 तक पहुंच शामिल हैं। इस साल ही शॉप्सी- से 1.15 करोड़ नए खरीदार जुड़े, जिनमें से कई ने पहली बार ऑनलाइन शॉपिंग की। जैसे-जैसे इसकी पहुंच और गहराई, टियर 4 कस्बों और दूरदराज़ के ज़िलों — जैसे भागलपुर, मेदिनीपुर, डुंडा और राजनगर — से मांग में तेज़ बढ़ोतरी देखने को मिली। यह दर्शाता है कि लोग अब शॉप्सीस की किफायती कीमतों, इस्तेमाल में आसानी और 300 रूपये से कम की खास रेंज पर भरोसा कर रहे हैं।

शॉप्सीख के बिज़नेस हेड, कपिल थिरानी ने कहा, फपिछले चार सालों में शॉप्सी देश भर के समझदार खरीदारों के लिए एक पसंदीदा ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म बन गया है। हमारा लक्ष्य हमेशा अच्छी क्वॉलिटी के विविध प्रोडक्ट्स देना, खरीदारी को आसान बनाना और ग्राहकों को स्थानीय अनुभव देना रहा है, खासकर उन छोटे शहरों और कस्बों में जो भारत की असली ताकत हैं। शॉप्सी के प्रोडक्ट्स इन इलाकों की अलग-अलग पसंद और जरूरतों को ध्यान में रखकर चुने जाते हैं। हमने ऐसा प्लेटफॉर्म बनाया है जो बड़े पैमाने पर काम करता है और लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ता है। इस खास मौके पर हम हर भारतीय घर तक भरोसेमंद, आसान और किफायती ऑनलाइन शॉपिंग पहुंचाने के अपने मिशन को और मजबूत करने का वादा करते हैं।

पूरे भारत में पहुंच: बड़े से लेकर छोटे शहरों तक- शुरुआत से अब तक, शॉप्सी ने अपनी पहुंच को दोगुने से भी अधिक बढ़ाया है और देश के हर कोने तक सामान पहुंचाया है। चाहे सीतामढ़ी में साड़ी हो या मोकोकचुंग में मिक्सर — यह प्लेटफॉर्म भारत के सबसे अंदरूनी इलाकों तक रोजमर्रा की खरीदारी को आसान बना रहा है। मिजोरम, सिक्किम और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों ने उत्तर और पूर्व भारत में तरक्कीक को बढ़ावा दिया, वहीं तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और गोवा ने दक्षिण और पश्चिम के उभरते बाज़ारों के रूप में पहचान बनाई।

माइक्रो-मार्केट्स के लिए भारत-फर्स्ट सेलेक्शन- शॉप्सीी सचमुच भारत का अपना शॉपिंग डेस्टिनेशन बन गया है — एक ऐसा प्लेोटफॉर्म जो देश की विविधता, हर क्षेत्र की खास पसंद और 'हज़ारों भारत, हज़ारों ख्वाॉहिशें' की भावना को समझते हुए तैयार किया गया है। यहां 1,300 से ज़्यादा कैटेगरीज़ में 1.6 करोड़ से अधिक प्रोडक्ट्स मौजूद हैं, जो अलग-अलग इलाकों की ज़रूरतों और मौसमी मांगों के अनुसार खासतौर पर चुने गए हैं। ट्रेंडिंग फैशन से लेकर रोज़मर्रा के ज़रूरी सामान तक, शॉप्सीम हर भारतीय घराने के बजट और पसंद के हिसाब से सही क्वॉरलिटी, सही कीमत पर पेश करता है। इस साल, बच्चोंि के कपड़ों की मांग में 150त्न और बड़े अप्लायंसेज़ की बिक्री में 20त्न की बढ़ोतरी देखी गई।

नागपंचमी के अवसर पर सर्पदंश से बचाव के लिए कार्यशाला हुआ आयोजन

जशपुर। लोगों को सर्पदंश से बचाव के लिए जागरूक करने के नागपंचमी के अवसर पर जशपुर वन मण्डल द्वारा जिला पंचायत सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विधायक जशपुर श्रीमती रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, सहायक कलेक्टर श्री अनिकेत अशोक, डीएफओ श्री शशि कुमार सहित सर्पमित्र, स्कूली बच्चे, स्वास्थ्य विभाग एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक जशपुर श्रीमती भगत ने अपने जीवन में सांपों के साथ अपने अनुभवों को साझा करते हुए सभी को सांपों से ना डरने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सांप प्रकृति के मित्र हैं, हमारी आदिम परम्परा में प्राचीन समय से सांपों का महत्व रहा है। उन्होंने सभी को बरसात में सांपों से सावधान रहते हुए कार्य करने को कहा। उन्होंने सांप के काटने पर सर्वप्रथम ना डरने एवं नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाने की सलाह दी और कहा कि किसी देशी इलाज, झाड़फूंक, मंत्र-तंत्र, प्रार्थना में ना पड़ कर पहले स्वास्थ्य केंद्र को जाएं जहां हर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एंटी वैनम दवाइयां उपलब्ध कराई गयीं हैं। उसका लाभ लें। उन्होंने अधिकारियों को सभी आश्रम-छात्रावासों, कार्यालयों में संग्रहित सामग्रियों को समय समय हटा कर साफ करने को कहा। इसके साथ ही ग्रामीणों को सुबह सुबह जंगल जाकर लघु वनोपज संग्रहण के दौरान सावधानी रखने को कहा। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि हमारे जिले में विभिन्न प्रजाति के सांप पाए जाते हैं और बरसात के समय अक्सर सांपों का इंसानों से सामना हो जाता है। ऐसे में सभी को सावधान रहने की आवश्यकता है। सांप जब डरे होते हैं तब काटते हैं इसलिए सावधान रहते हुए सोने से पूर्व बिस्तरों को झाड़ें, आस पास सफाई रखें, जूते एवं मच्छरदानी का प्रयोग करें।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर जिला जेल गरियाबंद में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

गरियाबंद (समय दर्शन)। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष 28 जुलाई 2025 को विश्व हेपेटाइटिस दिवस का आयोजन हेपेटाइटिस लेट्स ब्रेक इट डाउन थीम के आधार पर किया गया। इस अवसर पर जिला जेल गरियाबंद में शिविर लगाकर 140 कैदियों का हेपेटाईटिस बी एवं सी की जांच किया गया।जिसमें 2 कैदी धनात्मक पाये गये व 128 को हेपेटाईटिस बी का टीकाकरण किया गया।विश्व हेपेटाईटिस दिवस के उपलक्ष्य में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.यू.एस.नवरत्न,नोडल अधिकारी डॉ. लक्ष्मीकांत जांगड़े एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक गनपत कुमार नायक, डॉ शंकर पटेल के मागदर्शन में एवं डॉ विपिन बिहारी अग्रवाल की उपस्थिति में शिविर का आयोजन किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने उक्त स्वास्थ्य शिविर में हेपेटाइटिस से बचाव एवं नियंत्रण के संबंध में जानकारी दी।उन्होने बताया कि हेपेटाइटिस का मुख्य कारण दूषित भोजन,दूषित जल एवं एल्कोहॉल के साथ-साथ नान-एल्कोहॉल फैटी लिवर भी होता

है।हेपेटाइटिस से सावधानी बरतने हेतु एल्कोहॉल के साथ-साथ जंक फूड सेवन न करने की सलाह दी गई।हेपेटाइटिस के प्रमुख लक्षण बुखार व थकान,भूख कम लगना,उल्टी, त्वचा में खुजली,गहरे रंग का पेशाब,शरीर में दर्द इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।हेपेटाइटिस बी व सी के बारे में भी बताया गया कि असुरक्षित इंजेक्शन, गोदना,कान-नाक छिदवाने में संक्रमित सूई और स्याही के उपयोग,संक्रमित यौन संबंध और संक्रमित रक्त के संपर्क में आने से फैलता है। इससे बचाव के लिए इंजेक्शन और रेजर ब्लेड का एक ही बार उपयोग करें।रक्त पंजीकृत ब्लड बैंक से लें, नवाजातों को हेपेटाइटिस बी की खुराक दें, हेपेटाइटिस पॉजिटीव माताओं से जन्मे नवजात को 24 घंटे में हेपेटाइटिस इम्यूनो ग्लोबिन और एच.बी.आई.जी इंजेक्शन लगाना जरूरी हैं। हेपेटाइटिस बी और सी नि:शुल्क जांच,परामर्श,ईलाज और टीकाकरण की सुविधा जिले के सभी शासकीय अस्पतालों में उपलब्ध है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों से अपील की गई है कि वे नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाएं। उक्त शिविर में लंबोदर महतो (डीडीएम आईडीएसपी),कविता जगत,यूलिका देवांगन,राजरानी साहू,पूजा साहू,गजेश्वर साहू व जेल की टीम का सहयोग रहा।

संक्षिप्त-खबर

खैरझिटी स्कूल में मनाया नागपंचमी उत्सव

साजा (समय दर्शन)। थानखम्हरिया समीपस्थ शासकीय प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला खैरझिटी कला में नाग पंचमी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम ब्लैक बोर्ड पर नाग देवता की छायाचित्र बनाकर पूजा की गई। शाला परिवार ने नागदेव की छायाचित्र एवं शिवलिंग पर दूध,चंदन, दूर्वा एवं अक्षत पुष्प अर्पित किए। संस्था प्रमुख और छात्र- छात्राओं द्वारा बनाया हुआ पार्थिव शिवलिंग को वैष्णव ने सभी को नागदेव की कहानी बतायी। शिक्षक डी.के. श्रीवास ने नाग पंचमी से जुड़े पौराणिक कथाओं को बच्चों को विस्तार पूर्वक सुनाते हुए नाग पंचमी मनाया गया। इस अवसर पर संकुल समन्वयक आनंद ताम्रकार सर ,मनहरण नेताम, एस. बी. साहू ,भूषण साहू ,नरेश साहू व प्राथमिक शाला. प्रमुख रामकुमार वैष्णव सर, शिक्षक डी सी साहू ,अगमदास मार्कण्डेय ,डी के श्रीवास, डाकवर पटेल समेत सभी शिक्षक एवं बच्चे उपस्थित रहे।

स्लरी पाइपलाइन की लापरवाही से मासूम की मौत, सुलोचना कर्मा ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई का दिया भरोसा

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। दंतेवाड़ा जिले में नगरनार से बचेली के बीच चल रहे एनएमडीसी स्लरी पाइपलाइन प्रोजेक्ट एक बार फिर विवादों में है। ठेकेदार कंपनी एलएंडटी की लापरवाही के कारण एक दुखद हादसे में मासूम बच्चे की जान चली गई। बीते दिन शाम स्कूल से घर लौट रहे दो बच्चे पाइपलाइन के लिए खोदे गए गड्ढे में गिर गए, जिसमें एक बच्चे, डिकेश्वर ठाकुर, की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी ने न तो गड्ढों के पास चेतावनी बोर्ड लगाए, न ही सुरक्षा के लिए गार्ड तैनात किए। पहले भी इस स्थान पर जलभराव के कारण एक बच्चा गड्ढे में गिरकर घायल हो चुका है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष और गीदम ब्लॉक से जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा ने रविवार को हाऊरनार पंचायत पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया। मृतक डिकेश्वर की मां को सांत्वना देते हुए सुलोचना ने भरोसा दिलाया कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। सुलोचना कर्मा ने बयान जारी कर कहा, यह बच्चा अपने परिवार का इकलौता बेटा था, जो कंपनी की लापरवाही के कारण आज हमारे बीच नहीं है। पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा मिलना चाहिए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जल्द ही ग्रामीणों के साथ मिलकर एफ्आईआर दर्ज कराई जाएगी और खुले गड्ढों को तत्काल भरने का निर्देश दिया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। सुलोचना ने बाहरी कंपनियों की लापरवाही पर सवाल उठाते हुए कहा, ग्रामीणों को ऐसी लापरवाही का खामियाजा नहीं भुगतना पड़ेगा। हम इस मामले को उच्च स्तर तक ले जाएंगे और दोषियों के खिलाफसख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन और कंपनी के खिलाफआक्रोश जताया और मांग की कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं।

अवैध शराब के साथ विक्रेता पकड़ाया

बिलासपुर। जिले की सीपत पुलिस ने ग्राम नरगोडा नहर रोड में 40 पाव देशी प्लेन शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा आबकारी एक्ट के तहत न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। आरोपी का पूर्व में आबकारी एक्ट एवं अन्य मामलों का है आपराधिक रिकॉर्ड मिली जानकारी के अनुसार थाना सीपत द्वारा अवैध नशा के कारोबार करने वालों पर लगाम कसने दिनांक 28.07.2025 को रात्रि में मुखबिर की सूचना पर ग्राम नरगोडा नहर रोड के पास पुल में एक व्यक्ति भुरा कलर के थैला में भारी मात्रा में देशी प्लेन शराब बिक्री के लिए ग्राहक तलाश कर रहा है की सूचना पर सीपत थाना प्रभारी निरीक्षक गोपाल सतपथी के द्वारा सीपत पुलिस की टीम तैयार कर ग्राम नरगोडा नहर रोड में रेड कार्यवाही किया गया जहां महेश कुमार सूर्यवंशी पिता स्व गोवर्धन प्रसाद सूर्यवंशी उम्र 28 साल निवासी नरगोडा थाना सीपत, जिला बिलासपुर, छग से 40 पाव देशी प्लेन शराब को जप्त कर आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34 (2) के तहत् कार्यवाही कर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

बाल कैबिनेट गठन में बच्चों ने दिखाया लोकतांत्रिक जोश, लव कुमार बने शाला नायक

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चिरचारीकला में बाल कैबिनेट गठन समारोह उत्साह और लोकतांत्रिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। विद्यालय परिसर में आयोजित इस विशेष अवसर पर बच्चों ने मतदान प्रक्रिया के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए शाला नायक (प्रधानमंत्री) पद के लिए लव कुमार को चुना।

इस अवसर पर ग्राम प्रमुख हृदयराम सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रमुख हेमंत सलामे ने की। वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती सविता सलामे, शिक्षकगण संतोष

निर्मलकर, देवेंद्र साहू एवं कमलेश देवांगन की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भी महत्वपूर्ण बना दिया।

कार्यक्रम के दौरान कक्षा 6वीं से 8वीं तक के छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने प्रतिनिधियों का चयन किया।

जिसमें कक्षा 6वीं में कक्षा नायक अरुणा एवं उप नायक जितेंद्र कुमार, कक्षा 7वीं में कक्षा नायक गजेंद्र कुमार एवं उप नायक जयश्री एवं कक्षा 8वीं में कक्षा नायक तुलसी एवं उप नायक रणवीर शामिल है। इसी क्रम में क्रीड़ा मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, पर्यावरण मंत्री, संस्कृति मंत्री, मध्याह्न भोजन मंत्री सहित अन्य विभागों के लिए भी विद्यार्थियों द्वारा जिम्मेदार प्रतिनिधि निर्वाचित किए गए। संस्था प्रमुख हेमंत सलामे ने नवचयनित बाल प्रतिनिधियों को उनके कर्तव्यों और अधिकारों की जानकारी दी और उन्हें निष्ठा, सहयोग एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। सभी शिक्षकों ने नव निर्वाचित बाल प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक देवेंद्र साहू ने प्रभावी ढंग से किया। यह आयोजन बच्चों में नेतृत्व क्षमता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सहभागिता की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम साबित हुआ।

शास उच्च माध्य विद्यालय बरपानी मे युवान कार्यक्रम का आयोजन

साँकरा (समय दर्शन)। साँकरा के शरहद पर बसा ग्राम बरपानी मे नागपंचमी के दिन युवान कार्यक्रम का आयोजन बलौदा बाजार वन मंडल के अंतर्गत संचालित किया गया।

जिसका उद्देश्य युवाओं को युवान वालंटियर के रूप में तैयार कर वनों, वन्य प्राणियों एवं जैव विविधता की संरक्षण के प्रति जागरूक करना एवं सक्रिय रूप से जोड़ना है। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरपानी में वन विभाग से प्रशिक्षु रेंजर रुपेश्वरी दीवान ने सर्पदंश से बचाव, सांपों के सुरक्षित रेस्क्यू एवं उनके संरक्षण हेतु विद्यार्थियों को जागरूक किया।

उन्होंने बताया कि चयनित वालंटियर को आवश्यकता अनुसार वन विभाग द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षण, फील्ड विजिट एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा ।

यह न केवल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास बल्कि स्थानीय समुदाय में वन्य जीव संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु महत्वपूर्ण कदम होगा।

साथ ही संस्था में नाग पंचमी उत्सव भी मनाया गया । संस्था के प्राचार्य रघुनंदन पटेल के द्वारा सभी विद्यार्थियों को नाग पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी एवं युवान कार्यक्रम के लिए वन मंडल अधिकारी बलौदा बाजार सहित उनके प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित वन विभाग के समस्त अधिकारियों कर्मचारियों को शाला परिवार बरपानी की ओर से धन्यवाद व्यापित किया गया ।

उक्त कार्यक्रम में वन विभाग से बाबूलाल साहू (उपवन क्षेत्रपाल),प्रेमचंद धृतलहरे(वनपाल), भगवत प्रसाद श्रीवास (वनपाल) स्टॉफ से व्ही तांदुलाने, जे.के. नायक, इंदिरा पटेल, कोमल सिंह ठाकुर, के.के. वर्मा, एस.के. साहू, कांताराम चंद्राकर,लोचन पटेल, पवन पटेल, टी. सी. भोई, व द्वारिका चौहान उपस्थिति हुए । कार्यक्रम का संचालन एल.एस. भोई ने किया ।

छत्तीसगढ़ स्कूल मध्याह्न भोजन रसोइया संघ का जिला मुख्यालय में आंदोलन

■ **तीन सूत्रीय मांग को लेकर रसोइया संघ ने निकाली रैली**

महासमुन्द व्यूरो (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ स्कूल मध्याह्न भोजन रसोइया संघ ने अपनी जायज मांगों को लेकर जिलेभर के रसोइयागण संयुक्त रूप से जिला मुख्यालय महासमुन्द मे रैली निकालकर कलेक्टोरेट पहुँचकर मुख्यमंत्री के नाम डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा ।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि हमारी मांगों पर शासन प्रशासन गंभीरता से विचार कर हमारी मांगें 15 अगस्त तक पूरी नही हुई तो छत्तीसगढ के सभी हजारों रसोईया राजधानी रायपुर में आंदोलन करेंगे।

संघ के पदाधिकारियों ने अपनी मांग के बारे मे बताया कि, सरकार ने राज्य के समस्त रसोइयों का मानदेय 50 प्रतिशत सौ दिन में बढ़ाने का वादा किया था, जो अभी तक पूरा नही हुआ है उसे पूरा किया जाये। रसोइयों को कलेक्टर दर पर मानदेय दिया जाये। स्कूल के छात्र-छात्राओं की संख्या कम होने पर रसोइयों को कार्य से न निकाला जाये । संघ के जिला संरक्षक कचरा चन्द्राकर ने बताया कि 15 अगस्त तक मांगे पूरी नही हुई तो हम रायपुर में विशाल संख्या के साथ आंदोलन करेगे ।

बसना में वर्षों से अटका सीमांकन व नक्शा दुरुस्ती का मामला

■ **भूमाफ्रियाओं को बचाने का आरोप**

बसना (समय दर्शन)। बसना क्षेत्र की एक जमीन खसरा नंबर-328/2क के सीमांकन और नक्शा दुरुस्ती का मामला पिछले तीन वर्षों से लंबित है। वर्ष 2022 में अवैध कब्जे की शिकायत के बाद तहसीलदार बसना ने पटवारी को जांच के आदेश दिए थे। पटवारी द्वारा पंचनामा बनाकर जमा करने के बावजूद आगे कोई कार्रवाई नहीं किया।

1985-86 के प्रमाणिक नक्शे के आधार पर कई बार नक्शा दुरुस्ती और ऑनलाइन रिकॉर्ड सुधार की मांग की गई जो कि अधूरा रहा ।

8 जुलाई 2024 को डिजिटल सिग्नेचर हेतु आवेदन देने के बाद 2025 में केवल खसरे का डीएससी किया गया, लेकिन नक्शा अधूरा ही रह गया।

खाता दुरूस्ती के नाम पर मिल रही है तारीख पे तारीख- आवेदक द्वारा इसके बाद 2025 में सीमांकन और नक्शा दुरुस्ती के लिए लगातार आवेदन किए गए:

21 मई 2025 ङ्क सीमांकन हेतु तहसीलदार, बसना के आदेश होने पर भी सीमांकन अधूरा रहा।

29 मई 2025 ङ्क नक्शा दुरुस्ती हेतु आवेदन,तहसीलदार ने हल्का पटवारी को निर्देश दिये, किन्तु केवल मैन्युअल नक्शे पर चिन्हांकन (दुरुस्ती की गयी)।

01 जुलाई 2025 ङ्क कोई प्रगति न होने पर जिला दण्डाधिकारी, महासमुंद को आवेदन दिया गया।

08 जुलाई 2025 ङ्क कलेक्टर निर्देश के

बाद सीमांकन के लिए पुन: आदेश।

15 जुलाई 2025 ङ्क आदेश के अनुसार सीमांकन कार्य तो पूरा किया गया, लेकिन आज तक नक्शा दुरुस्ती नहीं हुई और सीमांकन रिपोर्ट भी जमा नहीं हुई।

22 जुलाई 2025 ङ्क सीमांकन पूरा होने के बाद भी रिपोर्ट और नक्शा दुरुस्ती लंबित रहने पर पुन: कलेक्टर को आवेदन, कोई कार्रवाई नहीं।

कब्जाधारियो की बल्ले बल्ले - 29 जुलाई 2025 ङ्क सीमांकन रिपोर्ट और नक्शा दुरुस्ती के लिए जनदर्शन में अंतिम आवेदन दिया गया। विशेष बात यह है कि जिन व्यक्तियों ने अवैध रूप से कब्जा किया था—मधुस्मिता पति ज्योतिष, फक्कीर देवता पिता गुनसागर और पार्वती पति शरदचंद्र—(अवैध कब्ज़ाधारियों) की नक्शा दुरुस्ती कर दी गई है, लेकिन जमीन के वैध मालिक का सीमांकन रिपोर्ट और नक्शा दुरुस्तीकरण आज तक नहीं किया गया।

सीमांकन के दौरान स्पष्ट रूप से कब्जाधारी लोगों का नाम उसी खसरे में पाया गया।

राजस्व निरीक्षक बसना राकेश साहू का कहना है -बसना क्षेत्र के नक्शों पर भू-अभिलेख अधिकारी, स्क्रीनिंग अधिकारी, आरआई और पटवारी के हस्ताक्षर नहीं हैं। इसी कारण नक्शा दुरुस्ती नहीं की जा रही और सीमांकन रिपोर्ट भी लंबित है।

पीड़ित को जेल और गुनाहगार को बेल जैसे स्थिति- इस प्रकरण से जान पडता है कि,अब पीड़ित को जेल और बेगुनाह को बेल जैसी स्थिति से गुजर रही है प्रशासनिक प्रक्रिया ।

आवेदक से मिली जानकारी के अनुसार वर्षों से पीड़ित दर दर भटकते न्याय पाने शासकीय कार्यालयों के खाक छान रहा है, किन्तु वर्षों से इन्हीं नक्शों के आधार पर अन्य सभी काम किए जाते रहे, लेकिन इस प्रकरण में बहाना बनाकर कार्रवाई रोकी जा रही है। पीड़ित पक्ष(अविनाश बाघ) ने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि तत्काल सीमांकन रिपोर्ट जमा कराई जाए, नक्शा दुरुस्त किया जाए और अवैध कब्जों पर कार्यवाही की जाये।

आपको बता दें कि,आवेदक एक छात्र है,अपने स्वर्णिम भविष्य के लिए पढ़ाई करते हुए ,लगातार चल रही इस समस्या के कारण पीड़ित की पढ़ाई पर गंभीर असर पड़ रहा है और आर्थिक रूप से भी उसे भारी नुकसान हो रहा है।

जलाभिषेक कर किया नागदेव की पूजन-अर्चन

साजा (समय दर्शन)। थानखम्हरिया समीपस्थ शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एवं हाई स्कूल दर्री प्रांगण में हर्षोल्लास के साथ नागपंचमी मनाया गया। गौरतलब हो कि सनातन धर्म में नागों को धरती का रक्षक और ऊर्जा के स्त्रोतों के रूप में पूजा जाता है। नागपंचमी के दिन जो कोई इन नागों को सच्चे मन से जो पूजा करता है उसके जीवन में सदैव सुख-शांति बनी रहती है। प्रभारी प्राचार्या व्याख्यता दिनेश्वरी लहरे , व्याख्याता संगीता किरण अनंत, रीना कांता लकड़ा,सहायक ग्रेड दो विजय वैष्णव, प्रधान पाठक राजकुमार ध्रुवे , शिक्षक गोविंद कुमार सोनकर, भवानी सिंह नेताम , अंजनी कुमार मिर्झा, सहायक शिक्षक सालिक राम पाल एवं स्वयं सेवी शिक्षिका दुर्गा सेन समेत सभी विद्यार्थी नागपंचमी उत्सव में शामिल रहे।

यूनिसेफ जिला प्रशासन एवं एनआईटी रायपुर के मार्गदर्शन में खेल कलेवा का आयोजन

■ **पूर्व माध्य शाला अरण्ड में खेल कलेवा का आयोजन**

पिथौरा (समय दर्शन)। ग्राम अरंड के पूर्व माध्यमिक शाला प्रांगण में यूनिसेफव जिला प्रशासन और एनआईटी रायपुर के सहयोग से खेल कलेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि ग्राम के गणमान्य नागरिक शिवचरण ध्रुव, विशिष्ट अतिथि यूनिसेफप्रभारी सृष्टि शंकर एवं अध्यक्षता संस्था प्रमुख रोहिणी कुमार देवांगन ने की।

कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों द्वारा सरस्वती मां के तैल चित्र मे पूजा अर्चना कर किया गया ।

पूजा के उपरान्त शाला के बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम संचालिका स्वाति मैडम द्वारा खेल कलेवा का उद्देश्य साझा करते हुए बताया गया, कि किशोर बालक- बालिकाओं में एनीमिया की कमी को दूर करने हेतु खानपान में बदलाव केलिए यूनिसेफ के माध्यम से रिसर्च किया जा रहा है। वर्तमान परिवेश में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध प्राकृतिक एवं आर्गेनिक शाक- भाजी और अंकुरित अनाज , कंदमूल और स्थानीय फल - फूल को अपने आहार में सम्मिलित करने से व्यवहार में परिवर्तन का परीक्षण किया जाएगा।

कार्यक्रम में चयनित माताओं द्वारा पौष्टिक स्नैक्स बनाकर प्रदर्शन

किया गया, जिसमें प्रथम रैनी बाई ध्रुव द्वितीय गोदावरी ध्रुव तृतीय भोगेश्वरी ध्रुव स्थान ने प्राप्त किये किशोर - किशोरियों केलिए फुर्त्ती और चतुराई पर आधारित खेल का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान हसीना बरिहा, द्वितीय हिना ध्रुव, तीसरा कुलेश्वर यादव थे। सभी विजेताओं को बीआईयू टीम के द्वारा पुरस्कार दिया गया।

बीआईयू टीम द्वारा पौष्टिक युक्ति आहार ब्रेकफास्ट और भोजन में लेने हेतु बच्चों और माताओं को अनुरोध किया गया जिससे किशोर - किशोरियों में सर्वांगीण विकास हो सके। बी आई यू टीम के द्वारा 63 दिनों तक ट्रैकर के माध्यम से

जानकारी एकत्र की जाएगी। जिसका रिपोर्ट यूनिसेफ को दी जाएगी कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के पर्यवेक्षक चित्ररेखा साहू द्वारा पौष्टिक आहार के संबंध में जानकारी दी गई एवं शिवचरण ध्रुव , प्रदीप कर , रोहिणी कुमार देवांगन द्वारा भी पौष्टिक आहार संबंधी जानकारी साझा किया गया शिक्षा विभाग से प्रदीप कर , नकुलराम साहू , श्रीमती गंगा पैकरा , आंगनबाड़ी से देवकुमारी ध्रुव, मीना साहू, पंच रोहित पटेल , सचिव लेखराम जगत ,किसल ध्रुव , प्रमिला ध्रुव , भुनेश्वरी ध्रुव , अंजू ध्रुव , लक्ष्मी साव योगेश्वरी ध्रुव मीना बरिहा आदि माताएं सम्मिलित रही।कार्यक्रम का संचालन शिक्षक शैलेन्द्र सिन्हा और आभार प्रदर्शन जयराम पटेल द्वारा किया गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26